नई दिल्ली ■ रविवार 07 दिसंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 249 ■ पृष्ठ 08

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 विश्व राजनीति के बदलते चेहरे... | 07 जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप : सात बार की चैम्पियन जर्मनी ... | रणवीर सिंह की 'धुरंधर' का बॉक्स ऑफिस पर... 08

हवाई किराए की मनमानी पर रोक

इंडिगो उड़ान व्यवधानः टिकट की कीमतों में वृद्धि के बीच सरकार ने हवाई किराए की सीमा तय की

नई दिल्ली। इंडिगो की उड़ान बाधित होने के कारण हवाई टिकटों की बढ़ती कीमतों के बीच सरकार ने शनिवार को दूरी के आधार पर हवाई किराए की सीमा 7,500 रुपये से 18,000 रुपये तक सीमित कर दी। नागर विमानन मंत्रालय ने एक आदेश में कहा कि किराया सीमा, लागू शुल्कों को छोड़कर, बिजनेस श्रेणी और उड़ान श्रेणी के लिए लागू नहीं है। हालांकि आदेश में स्पष्ट नहीं किया गया कि यह सीमा केवल इकोनॉमी श्रेणी पर है या प्रीमियम इकोनॉमी श्रेणी पर भी लागू होगी।

सीमा के तहत, 500 किलोमीटर तक की उड़ान के लिए किराया 7,500 रुपये और 500-1,000 किलोमीटर के लिए टिकट की कीमत 12,000 रुपये तय की गई है। वहीं 1,000 से 1,500 किलोमीटर तक चलने वाली उड़ानों के लिए, किराया 15,000 रुपये तक सीमित है तथा 1,500 किलोमीटर से अधिक के लिए अधिकतम सीमा 18,000 रुपये तय की गई है। उदाहरण के लिए, दिल्ली–मुंबई उड़ान, जिसकी दूरी लगभग 1,300 किलोमीटर है, में कम से कम इकोनॉमी श्रेणी का किराया 18,000 रुपये तक सीमित होगा। यह सीमा तब तक लागू रहेगी जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती। इसमें उपयोगकर्ता विकास शुल्क (यूडीएफ), यात्री सेवा शुल्क (पीएसएफ) और हवाई टिकटों पर कर शामिल नहीं हैं।

इंडिगो के उड़ान संचालन में कम से कम पिछले पांच दिनों से काफी बाधा आ रही है, जिससे बड़ी संख्या में उड़ान रद्द और विलंबित हो रही हैं। शनिवार को देश की सबसे बड़ी एयरलाइन ने 400 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं, जबकि शुक्रवार को रद्द उड़ानों की संख्या 1,000 से अधिक थी। मंत्रालय ने बयान में कहा कि वह वास्तविक समय डेटा और एयरलाइन तथा ऑनलाइन यात्रा मंचों के साथ सक्रिय समन्वय के माध्यम से किराया स्तर की बारीकी से निगरानी करना जारी रखेगा।

बयान में कहा गया है कि निर्धारित नियमों से कोई भी अमान्य बदलाव होने पर जनहित हित में तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। हवाई किराए की सीमा तय करने पर दो पेज के आदेश में मंत्रालय ने कहा कि ये किराया सीमाएं सभी प्रकार की बुकिंग पर लागू होंगी, भले ही खरीदारी सीधे एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से की गई हो या विभिन्न ऑनलाइन यात्रा एजेंट मंच से की गई हो।

इंडिगो की 800 से अधिक उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। इंडिगो की उड़ानें रद्द होने या देरी से उड़ान भरने के चलते पांचवें दिन भी लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। देशभर के एयरपोर्ट पर यात्री बेहाल दिखे, जिनमें कुछ विदेशी भी शामिल थे। आज 800 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं। कई उड़ानों में विलंब हुआ और यात्रियों का सामान भी लापता होने की शिकायतें सामने आईं। इंडिगो संकट के बीच अन्य एयरलाइंस के किराए बढ़ाने पर सरकार ने सख्ती दिखाई है साथ ही यात्रियों को रिफंड देने पर भी इंडिगो को सख्त निर्देश दिए हैं। चालक दल की कमी के कारण इंडिगो ने शुक्रवार को 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द कीं थी। इससे हवाई किराए सामान्य सीमा से तीन से चार गुना बढ़ गए। इंडिगो देश के लगभग दो-तिहाई घरेलू हवाई ट्रैफिक को नियंत्रित करता है और रोजाना लगभग 2,300 फ्लाइट्स संचालित करता है। इस बीच इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए देर रात जारी बयान में माफी मांगी थी और 10 से 15 दिसंबर के बीच उड़ानों की स्थिति सामान्य होने की उम्मीद जताई थी। इसी बीच इंडिगो ने कहा है कि हाल की घटनाओं देखते हुए ग्राहकों के सभी कैंसलेशन का रिफंड उनके ओरिजिनल पेमेंट मेथड से ऑटोमैटिकली प्रोसेस किया जाएगा।

यात्रियों के सामान को घर पहुंचाने के दिए निर्देश

इसके अलावा, एयरलाइन को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि जिन यात्रियों का ट्रैवल प्लान रद्द या प्रभावित हुआ है, उनसे कोई रिशेड्यूलिंग चार्जेस न लिए जाएं। मंत्रालय ने साफ किया कि रिफंड प्रक्रिया में किसी भी तरह की देरी या नियमों का पालन न करने पर तुरंत नियामक कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने यह भी निर्देश दिया कि एयरलाइन यह सुनिश्चित करे कि उड़ान रद्द होने या देरी के कारण यात्रियों के छूटे हुए सामान का पता लगाया जाए और अगले 48 घंटों के भीतर उन तक पहुंचाया जाए।

सरकार ने जारी की रेट लिस्ट

- 500 किमी तक की दूरीः अधिकतम किराया 7500 रुपये
- 500-1000 किमी की दूरीः अधिकतम किराया 12000 रुपये
- 1000-1500 किमी की दूरीः अधिकतम किराया 15000 रुपये
- 1500 किमी से अधिक की दूरीः अधिकतम किराया 18000 रुपये

इंडिगो को प्रभावित यात्रियों का पैसा वापस करने का आदेश

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शनिवार को इंडिगो की उड़ानें रुकने से यात्रियों की परेशानी और रिफंड की देरी के मद्देनजर सख्त रवैया अपनाते हुए एयरलाइन को तत्काल पैसा लौटाने का आदेश दिया है। मंत्रालय ने आदेश दिया है कि रद्द या रुकी हुई सभी उड़ानों का रिफंड प्रक्रिया रविवार रात 08:00 बजे तक हर हाल में पूरा हो जाना चाहिए। एयरलाइन अब उन यात्रियों से कोई दोबारा बुकिंग का शुल्क नहीं लेगी, जिनकी यात्रा योजना रद्द होने से प्रभावित हुई है। मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि पैसे वापसी में थोड़ी भी देरी या नियमों का उल्लंघन होने पर तुरंत कानूनी, नियामक कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय के अनुसार, यात्रियों की शिकायतों को तुरंत सुनने के लिए, इंडिगो को एक समर्पित विशेष सहायता और रिफंड सुविधा सेल बनाने का आदेश दिया गया है। ये सेल खुद ही प्रभावित यात्रियों से संपर्क करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि रिफंड या दूसरी यात्रा का इंतजाम बिना बार-बार फॉलो-अप के हो जाए। ऑपरेशन सामान्य होने तक ऑटोमैटिक रिफंड सिस्टम चालू रहेगा। मंत्रालय ने इंडिगो को कहा है कि कैंसल या देरी के कारण यात्रियों से अलग हुए सभी सामान का पता लगाया जाए और अगले 48 घंटों के भीतर उनके घर के पते पर डिलीवर किया जाए। अगर जरूरी हुआ, तो एयरलाइन को मौजूदा नियमों के तहत यात्रियों को मुआवजा भी देना होगा।

संक्षिप्त खबरें

इंडियन बैंक ने रेपो से जुड़ी उधारी दर घटाई, नई दरें लागू

नई दिल्ली/चेन्नई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती करने के बाद इंडियन बैंक ने अपनी रेपो रेट से जुड़ी प्रधान उधारी दर (आरबीएलआर) को 8.2 फीसदी से घटाकर 7.95 फीसदी कर दिया है। नई दरें शनिवार से लागू हो गई है। इंडियन बैंक ने जारी एक बयान में कहा कि रेपो रेट से जुड़ी प्रधान उधारी दर (आरबीएलआर) में 0.25 फीसदी की कमी से ग्राहकों के लिए कर्ज सस्ता होगा। आवास ऋण और व्यवसाय ऋण जैसे आरबीएलआर से जुड़े कर्ज लेने वाले ग्राहकों को लाभ होगा। इसके अलावा बैंक ने तीन दिसंबर से एक वर्षीय निधि आधारित उधार दर की सीमांत लागत (एमसीएलआर) को 0.05 फसदी घटाकर 8.8 फीसदी कर दिया है। बैंक ने बताया कि संशोधित उधारी दरें 6 दिसंबर से प्रभावी हो गई है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई के प्रमुख नीतिगत दर में कटौती के कुछ ही घंटों बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा ने रेपो रेट से जुड़े लोन पर ब्याज की दर को 0.25 फीसदी कम कर दिया था।

दक्षिण अफ्रीका में 'बार' में गोलीबारी में 11 लोगों की मौत

केपटाउन (द.अफ्रीका)। दक्षिण अफ्रीका की प्रशासनिक राजधानी प्रिटोरिया के निकट एक कस्बे में एक 'बार' में हुई गोलीबारी में तीन बच्चों समेत कम से कम 11 लोग मारे गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा के एक बयान के अनुसार 14 अन्य लोग घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने घायलों की उम्र के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी शनिवार तड़के प्रिटोरिया के पश्चिम में सॉल्सविले टाउनशिप में एक गैर-लाइसेंस प्राप्त 'बार' में हुई। इसने बताया कि मारे गए बच्चों में तीन वर्षीय एक बालक, 12 साल का एक लड़का और 16 साल की एक लड़की शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि वे तीन संदिग्धों की तलाश कर रहे हैं।

किश्तवाड़ में कार के खाई में गिरी, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

किश्तवाड़। शनिवार को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में एक कार के खाई में गिरने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा किश्तवाड़ शहर से करीब 25 किलोमिटर दूर द्राबशल्ला लिंक रोड पर तब हुआ जब परिवार सरथल माता मंदिर में पूजा करने के बाद डोडा के देसा गांव में अपने घर लौट रहा था। पुलिस ने बताया कि पहली नजर में ऐसा लग रहा है कि कार के चालक ने एक अंधे मोड़ पर कंट्रोल खो दिया जिससे गाड़ी सड़क से उतरकर खाई में गिर गई। स्थानीय वॉलंटियर पीड़ितों को बचाने के लिए दौड़े और मौके पर एक लड़की समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मलबे से एक महिला को निकाला गया और उसे जिला अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया।

राजधानी में जहरीली हवा से राहत नहीं

एक्यूआई 'बेहद खराब'

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार सुबह भी वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में बनी रही और सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 335 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 'समीर ऐप' के अनुसार, राजधानी के 36 निगरानी केंद्रों पर भी वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' दर्ज की गई। इन केंद्रों में से वायु गुणवत्ता का सबसे खराब स्तर मुंडका में दर्ज किया गया, जहां एक्यूआई 387 रहा।

सीपीसीबी के मानकों के अनुसार, शून्य से 50 के बीच का वायु गुणवत्ता सूचकांक 'अच्छा', 51 से 100 'संतोषजनक', 101 से 200 'मध्यम', 201 से 300 'खराब', 301 से 400 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच का एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में रखा जाता है। इस सप्ताह दिल्ली की वायु गुणवत्ता में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। जानकारी के अनुसार रविवार को एक्यूआई 279 दर्ज किया गया और सोमवार को यह 304 रहा। वहीं मंगलवार को एक्यूआई बढ़कर 372 पर पुहंच गया तथा बुधवार को यह 342 रहा।

प्रदूषण फैलाने वाली इकाई पर कार्रवाई जारी, 556 को नोटिस, 7 करोड़ का लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को बताया कि सरकार ने इस साल प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने वाले निर्माण स्थलों पर सात करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। मंत्री ने कहा कि कुल 1,750 स्थलों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से 556 नोटिस जारी किए गए और 48 इकाइयों को बंद करने का आदेश दिया गया। उन्होंने बताया कि पिछले दो दिनों में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के अधिकारियों ने 230 सड़कों और कूड़ाघरों का निरीक्षण किया, जबकि दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों ने 110, लोक निर्माण विभाग ने 36, दिल्ली विकास प्राधिकरण ने 32, दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम ने 17 और दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने 8 निरीक्षण किए। इन निरीक्षणों के परिणामस्वरूप लगभग एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। सिरसा ने बताया कि इस वर्ष विभिन्न एजेंसियों ने बिना प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र वालों के 7.97 लाख चालान जारी किए, जबकि 2024 में यह संख्या 4.33 लाख थी। इसी अवधि में कुल 42,017 गड्ढों की मरम्मत की गई, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 18,000 थी।

पश्चिम बंगालः मुर्शिदाबाद में रखी गई बाबरी मस्जिद की आधारशिला

बहरमपुर। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजीनगर में अयोध्या की बाबरी मस्जिद के मॉडल पर आधारित एक मस्जिद की नींव रखी। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य पुलिस, त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) और केंद्रीय बलों की भारी तैनाती के बीच, कबीर ने मौलवियों के साथ, रेजिनगर में एक विशाल मंच पर औपचारिक फीता काटा, जबकि वास्तविक मस्जिद निर्माण स्थल आयोजन स्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर था। इस दौरान "नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर" के नारे लगे और हजारों लोग सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर उमड़ पड़े। वहां मौजूद लोगों में से कई प्रतीकात्मक रूप से अपने सिर पर ईंट लिए हुए थे। यह कार्यक्रम छह दिसंबर को निर्धारित किया गया था, जिस दिन 1992 में उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहा दी गई थी। इस आयोजन के तिथि चयन को लेकर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया भी आई। न केवल रेजिनगर में, बल्कि निकटवर्ती बेलडांगा क्षेत्र में भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई, जिसे प्रशासन ने भीड़ बढ़ने और तनाव बढ़ने की आशंका के मद्देनजर प्रभावी रूप से उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में तब्दील कर दिया था। कबीर को तृणमूल कांग्रेस ने "सांप्रदायिक राजनीति" में शामिल होने के आरोप में इस हफ्ते की शुरुआत में निलंबित कर दिया था। कबीर ने कार्यक्रम के मंच से कई बार कहा कि प्रस्तावित ढांचा "किसी भी कीमत पर" बनकर रहेगा। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, "मैं कुछ भी असंवैधानिक नहीं कर रहा हूं। उपासना स्थल बनाना एक संवैधानिक अधिकार है।

भारत और अमेरिका ने जेडब्ल्यूजी की 21वीं बैठक की

आतंकवाद के खिलाफ आपसी सहयोग की जताई प्रतिबद्धता

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका ने हाल ही में आंतकवाद से जुड़े मसलों पर बैठकें कर इससे जुड़ी विभिन्न चुनौतियों के खिलाफ सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। इसमें कानून प्रवर्तन और न्यायिक सहयोग को मजबूत करने पर भी चर्चा की गई। इन बैठकों में आतंकवाद का मुकाबला करने में द्विपक्षीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की कड़ी निंदा की। उन्होंने आतंकवादी उद्देश्यों के लिए यूएवी, ड्रोन और एआई के बढ़ते इस्तेमाल पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले और लाल किले के पास हुई हालिया घटना की कड़ी निंदा की और इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और अमेरिका ने 3 दिसंबर को नई दिल्ली में आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की 21वीं बैठक और 7वीं विषय आधारित वार्ता आयोजित की। भारत के विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव डॉ. विनोद बहाडे और अमेरिका के विदेश विभाग की वरिष्ठ अधिकारी मोनिका जैकबसेन ने अपने-अपने प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व किया। दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए एक स्थायी और व्यापक तरीके से ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है। बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों पक्षों ने आईएसआईएस-अल-कायदा से जुड़े संगठनों और लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद व उनके प्रॉक्सी समूहों, समर्थकों, प्रायोजकों, फाइनेंसरों और समर्थकों के प्रतिबंध और कार्यवाही का समर्थन किया। आतंकवाद विरोधी मामलों में भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते तालमेल पर जोर देते हुए भारतीय पक्ष ने लश्कर-ए-तैयबा के प्रॉक्सी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट को फॉरेन टेररिस्ट ऑर्गनाइजेशन (एफटीओ) और स्पेशली डेजिग्नेटेड ग्लोबल टेररिस्ट (एसडीजीटी) घोषित करने के लिए अमेरिकी विदेश विभाग का धन्यवाद दिया।

भारत ने साउथ अफ्रीका से जीती सीरीज

साउथ अफ्रीका 9 विकेट से हारा, जायसवाल की सेंचुरी

विशाखापत्तनम। कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद यशस्वी जायसवाल (नाबाद 116) की शतकीय पारी के बूते भारतीय टीम ने तीसरे और निर्णायक वनडे में शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 61 गेंद शेष रहते नौ विकेट से हराकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। कुलदीप (10 ओवर में 41 रन) और कृष्णा (9.5 ओवर में 66 रन) ने चार-चार विकेट लिए जिससे क्विंटन डिकॉक (106) की शतकीय पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टीम 47.5 ओवर में 270 रन पर आउट हो गयी।

भारत ने 39.5 ओवर में एक विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह उसने टेस्ट श्रृंखला में मिली 0-2 की हार की निराशा को कुछ हद तक कम किया। दोनों टीमें अब नौ दिसंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भिड़ेंगी। जायसवाल ने अपनी नाबाद शतकीय पारी के दौरान 121 गेंदों में 12 चौके और दो छक्के लगाने के अलावा रोहित शर्मा (75) के साथ पहले विकेट के लिए 155 और विराट कोहली (नाबाद 65) के साथ दूसरे विकेट के लिए 116 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की जीत पक्की की। रोहित ने 73 गेंद की पारी में सात चौके और तीन छक्के जड़े जिसमें लुंगी एनगिडी के खिलाफ पुल शॉट पर लगाया छक्का दिलकश था। कोहली ने भी शानदार लय जारी रखते हुए 45 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके और तीन छक्के जड़ें। दक्षिण अफ्रीका के लिए एकमात्र सफलता केशव महाराज (40 ओवर में 44 रन को मिली।

डिकॉक ने 89 गेंद की पारी में आठ चौके और छह छक्के की मदद से 106 रन बनाने के अलावा कप्तान तेम्बा बावुमा (48) के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 और मैथ्यू ब्रीट्जके (24) के साथ तीसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका 28वें ओवर तक दो विकेट पर 167 रन बनाकर बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रहा था लेकिन कृष्णा ने 29वें ओवर में ब्रीट्जके और एडेन मारक्रम (एक) के रूप में दो विकेट लेकर भारत को वापसी कराने के बाद डिकॉक को भी चलता किया। इसके बाद कुलदीप ने डेवाल्ड ब्रेविस (29), मार्को यानसन (17) और कोर्बिन बोश (नौ) जैसे आक्रामक बल्लेबाजों को आउट कर मैच पर भारत का दबदबा बनाये रखा। लक्ष्य का बचाव करते हुए दूधिया रोशनी में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज नयी गेंद से स्विंग हासिल कर रहे थे जिससे रोहित और जायसवाल ने शुरुआत में सतर्कता बरती। रोहित ने चौथे ओवर में एनगिडी के खिलाफ पारी का पहला चौका जड़ा तो वहीं जायसवाल ने यानसेन की गेंद पर चार रन बटोर कर हाथ खोले। रोहित एक छोर से प्रवाहमय बल्लेबाजी कर रहे थे तो वही दूसरी ओवर से जायसवाल को तेज गेंदबाजों के खिलाफ परेशानी हो रही थी। कई बार गेंद उनके बल्ले के किनारे के पास से निकली।

शादी से इंकार करने पर प्रेमी ने की थी प्रेमिका की हत्या, बिहार से गिरफ्तार

नोएडा। थाना फेस-2 क्षेत्र में 28 नवंबर को प्रेमी द्वारा प्रेमिका की गोली मारकर हुई हत्या के मामले में आरोपी को बिहार प्रदेश के जनपद भोजपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथियार भी आरोपी के पास से बरामद किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी के युवती के साथ काफी दिनों से प्रेम संबंध थे। आरोपी ने जब युवती से शादी का प्रस्ताव रखा तो उसने शादी से इंकार कर दिया था। इस बात से वह आक्रोशित था।

डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि बीते 28 नवंबर की रात को की याकूबपुर गांव में रहने वाली 25 वर्षीय एक युवती सोनू को उसके प्रेमी कृष्ण कुमार पुत्र राज किशोर पाण्डेय ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। घटना के बाद से आरोपी फरार हो गया था। उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच कर रही पुलिस ने आरोपी को बिहार के भोजपुर से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी के पास से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त देसी तमंचा भी बरामद कर लिया है। आरोपी हत्या करने के बाद नोएडा से बिहार भाग गया था। उन्होंने बताया कि अमरोहा के आदमपुर की रहने वाली

सोनू नोएडा के याकूबपुर गांव में किराये पर रहती थी। उसकी जान-पहचान बिहार के कृष्णा से थी। पूर्व में दोनों एक फैक्ट्री में काम करते थे। दोनों में प्रेम संबंध भी हो गए थे। उन्होंने बताया कि पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि पिछले कुछ समय से कृष्णा अपनी प्रेमिका सोनू से शादी करने के लिए बोल रहा था, लेकिन सोनू शादी के लिए राजी नहीं थी।

सोनू ने कृष्णा से बात भी करनी बंद कर दी थी। यहां तक कि फोन भी नहीं उठा रही थी। इसी कड़ी में कृष्णा घटना वाले दिन सोनू के कमरे पर पहुंचा। दोनों में काफी देर तक झगड़ा हुआ। सोनू के नहीं मानने पर कृष्णा ने सोनू की छाती पर गोली मार दी। गोली की आवाज सुनकर भीड़ एकत्रित हो गई। इसी बीच सोनू कमरे से निकल कर भाग गया था। डीसीपी ने बताया कि अभियुक्त कृष्णा अगस्त 2025 में चोरी के आरोप में थाना सेक्टर-142 से जेल जा चुका है। अभियुक्त ने जेल से छूटने के बाद मृतका से दोबारा बात करने की कोशिश की तो मृतका ने बात करने से साफ मना कर दिया था। इसके बाद अभियुक्त अपने घर बिहार से नोएडा आ गया और मृतका के किराये के आवास पर ग्राम याकूबपुर पहुंचकर उसके कमरे में गोली मारकर हत्या कर दी।

उन्होंने बताया कि अभियुक्त नें मृतक की बहनो पर भी जान लेवा हमला किया किन्तु पिस्टल में गोली फँस जाने के कारण असफल रहा। हत्या करने के बाद अभियुक्त ने पिस्टल सेक्टर-85 में झाड़ियो में छिपाकर भाग गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिये 3 टीमें गाठित की गयी जिसमें उत्तर प्रदेश, गुजरात व बिहार आदि राज्यों में अभियुक्त के ठिकानों पर तलाश की गयी। बिहार पुलिस की सहायता से थाना फेस -2 पुलिस द्वारा अभियुक्त को बिहार राज्य से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष उपस्थित कर ट्रांजिट रिमांड के उपरान्त थाना फेस-2 लाया गया।

लव जिहाद का आरोपी महिला को मुकदमा वापस लेने के लिए दे रहा है धमकी

नोएडा। थाना बिसरख में एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि धर्म छुपाकर महिलाओं को अपने जाल में फंसाकर उनके साथ बलात्कार करने, उनका धर्म परिवर्तन करवाने के लिए दबाव बनाने और वीडियो वायरल कर उन्हें बदनाम करने के मामले में पूर्व में गिरफ्तार एक आरोपी मुकदमा वापस नहीं लेने पर अपने साथियों के संग मिलकर उसे धमकी दे रहा है।

थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि ज्योति नामक महिला ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह साहबेरी गांव में रहती है। महिला के अनुसार उसने हारुन खान के खिलाफ पूर्व में मुकदमा दर्ज करवाया है। आरोपी महिलाओं को अपनी धार्मिक पहचान छुपा कर हिंदू बताकर शादी करता है, उनके साथ बलात्कार करता है और उनकी अश्लील वीडियो बनाकर वायरल कर देता है। वह महिलाओं को मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए जबरन दबाव बनाकर उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए विवश करता है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में कई मुकदमे दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि महिला का आरोप है कि जो मुकदमा उसने उसके खिलाफ लिखवाया है, उसे हारुन खान वापस करने के लिए दबाव बना रहा है। वापस नहीं लेने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। महिला के अनुसार उसे धमकी देने में हारुन खान, राजू खान, सिकंदर, कपिल खान ,सहाना खान, गुड़िया तथा उसके दो अज्ञात रिश्तेदार शामिल है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

नोएडा। थाना बादलपुर क्षेत्र में सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी अमित भड़ाना ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार बीती रात को कमालुद्दीन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह बिश्ननौली गांव बादलपुर में रहते हैं। उनका भाई समयुउद्दीन (32) बाइक से जिम जा रहा था। तभी तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दिया। गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर उसे दिल्ली रेफर कर दिया, जहां डॉक्टर ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डॉ. आंबेडकर को याद कर बसपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राष्ट्रीय संयोजक ने अर्पित किए श्रद्धा सुमन

नोएडा। डॉ. भीमवराव आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) के अवसर पर शनिवार को राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पर बहुजन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद, राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद, कोऑर्डिनेटर भीमराव अंबेडकर, नौशाद अली, गौतम बुद्ध नगर के बसपा जिलाध्यक्ष लख्मी सिंह, नोएडा महानगर अध्यक्ष नरेश उपाध्याय सहित भारी संख्या में बसपा के नेता पहुंचे। सभी ने बाबा साहेब की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बाबा साहेब के पुण्यतिथि के अवसर पर सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न जगहों से हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ आने से पूरा प्रेरणास्थल आंबेडकर मय हो गया है।

इस दौरान यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने कुछ जगहों पर रूट डायवर्जन किया है तथा 16 अस्थायी पार्किंग बनाई गईं। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा संबंधी कड़े इंतजाम किये हैं।उल्लेखनीय है कि आधुनिक भारत के निर्माण में डॉ. बीआर आंबेडकर का योगदान भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता के रूप में उनकी भूमिका से कहीं आगे है। उन्होंने एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की थी, जो न केवल राजनीतिक लोकतंत्र को कायम रखे बल्कि सामाजिक और आर्थिक न्याय भी हासिल करने को सुनिश्चित करे। उनकी गहरी बुद्धिमत्ता और दूरदर्शिता ने प्रमुख आर्थिक और सामाजिक ढांचों को प्रभावित किया, जिससे वे स्वतंत्र भारत के शासन और विकास को आकार देने में मील का पत्थर साबित हुआ।

विभिन्न जगहों से दो गांजा तस्कर समेत 8 गिरफ्तार, 28 किलो गांजा बरामद

नोएडा। पुलिस ने अलग अलग जगहों से दो गांजा तस्करों समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने करीब 28 किलो गांजा बरामद किया है। थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को उप निरीक्षक रविंद्र सिंह ने एक सूचना के आधार पर सलारपुर गांव के पास से नूर फातिमा उर्फ साहिब पत्नी इदरीश अहमद को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने 23 किलो 750 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। गांजा बेचकर महिला द्वारा इकट्ठी की गई 4500 रुपए की नगदी भी पुलिस ने इसके पास से बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि महिला उड़ीसा से गांजा तस्करी करके लाती है तथा उसे एनसीआर में बेचती है।

थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया की बीती रात को एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने शकीर उर्फ गुड्डू पुत्र शरीफ को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने 4 किलो 800 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। उन्होंने बताया कि इसकी गिरफ्तारी सेक्टर 47 के जलवायु विहार टावर के पास से हुई है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी काफी दिनों से अवैध रूप से गांजा बेच रहा था। उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में थाना पुलिस ने ज्ञान सिंह को गिरफ्तार कर इसके पास से 21 पाउच देशी शराब बरामद किया है।

थाना बादलपुर पुलिस ने बीती रात को एक सूचना के आधार पर संजीव पुत्र नेत्रपाल को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी अमित कुमार भड़ाना ने बताया कि इसके पास है पुलिस ने 24 पाउच देशी शराब बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि यह काफी दिनों से अवैध रूप से मदिरा बेच रहा था। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने रोहन पुत्र रंजीत को गिरफ्तार कर इसके पास से एक अवैध चाकू बरामद किया है।

थाना सेक्टर 63 के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि बीती रात को एक सूचना का आधार पर थाना पुलिस ने नवीन कुमार शर्मा पुत्र अनिल कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने 110 पव्वा देसी शराब बरामद किया है। उन्होंने बताया कि इसकी गिरफ्तारी बहलोल पुर गांव के पास से हुई है।

थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि बीती रात को थाना पुलिस ने ताज मोहम्मद को गिरफ्तार कर उसके पास है 43 पव्वा देशी शराब बरामद किया है। उन्होंने बताया कि यह काफी दिनों से अवैध रूप से मादक पदार्थ बेच रहा था।

थाना सेक्टर 126 के प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र बालियान ने बताया कि बीती रात को थाना पुलिस ने विनीत यादव को गिरफ्तार कर उसके पास से 35 पाउच देशी शराब बरामद किया है। थाना सेक्टर 58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि बीती रात को थाना पुलिस ने राजू कुमार को गिरफ्तार कर उसके पास से एक अवैध चाकू बरामद किया है।

थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया कि बीती रात को एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने अरुण कुमार को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने एक देसी तमंचा और कारतूस बरामद किया है।

थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि बीती रात को एक सूचना का आधार पर थाना पुलिस ने ज्ञान को गिरफ्तार कर उसके पास 21 पाउच देशी शराब बरामद किया है। थाना सेक्टर 24 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि बीती रात को थाना पुलिस ने राकेश कुमार को गिरफ्तार कर उसके पास से एक अवैध चाकू बरामद किया है।

बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल फोन लूटा

नोएडा। नोयडा के थाना फेस- 3 क्षेत्र से बाइक सावरा अज्ञात बदमाशों ने एक युवक का मोबाइल फोन लूट लिया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना फेस- 3 के प्रभारी निरीक्षक पुनीत कुमार ने बताया कि मोहम्मद कादिर पुत्र इब्राहिम खान ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर 70 में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार वह मोबाइल पर बात करते हुए शुक्रवार रात को अपने घर के बाहर से जा रहे थे, तभी बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए। उन्होंने उन्हें धक्का दे दिया तथा उनका मोबाइल फोन लूट लिया। पीड़ित ने बदमाशों का पीछा किया लेकिन वे भाग गए। थाना प्रभारी ने बताया कि सेक्टर में लगे सीसीटीवी कैमरे में बदमाश कैद हुए हैं, उनकी तलाश की जा रही है।

शहर के अलग अलग जगहों से तीन छात्राएं लापता, जांच में जुटी पुलिस

नोएडा। शहर के अलग अलग जगहों से तीन छात्राएं लापता हो गई हैं। उनके परिजनों की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना जेवर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी 16 वर्षीय बेटी जेवर स्थित प्रज्ञान पब्लिक स्कूल में पढ़ती है। पीड़ित के अनुसार 5 दिसंबर को सुबह के समय वह स्कूल गई थी, लेकिन शाम को जब वापस नहीं आई तो उन्हें चिंता हुई। उन्होंने आसपास के लोगों से पूछताछ की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। उन्होंने बताया कि पीड़ित ने अज्ञात व्यक्ति पर अपनी बेटी को अगवा करने का शक जाहिर करते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि छात्रा को बरामद करने के लिए पुलिस की दो टीमें लगाई गई है। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उन्होंने अपनी बेटी जो की जी एल बजाज कॉलेज में पढ़ती है, उसकी उम्र 19 वर्ष है, उसे कॉलेज में पढने के लिए छोड़ा था। उसके बाद वह घर नहीं आई। उनका आरोप है कि उनकी बेटी को हर्ष नामक युवक बहला-फुसलाकर अगवा करके ले गया है। पीड़ित के अनुसार उनकी बेटी को भगाने में हर्ष के साथ-साथ मांगे, सचिन, प्रिंस, हार्पस, हरीश और बबली का हाथ है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को एक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 1 दिसंबर की रात से उसकी 14 वर्षीय बेटी ग्राम एमनाबाद से लापता है। महिला के अनुसार उसने अपनी बेटी को काफी ढूंढा लेकिन वह नहीं मिली। इसी दौरान उसे पता चला है कि उसकी बेटी को सतीश पुत्र कुंज बिहारी बहला -फुसलाकर अगवा कर ले गया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि किशोरी एक स्कूल से पढ़ाई कर रही है।

35 करोड़ की धोखाधड़ी करने वाले चार साइबर ठग गिरफ्तार

नोएडा। शेयर मार्केट में निवेश कराकर लाभ कमाने के नाम पर पूरे देश में लगभग 35 करोड़ रूपए से ज्यादा की धोखाधड़ी व ठगी करने वाले चाइनीज साइबर ठगों से जुडे 4 शातिर बदमाशों को थाना साइबर क्राइम नोएडा पुलिस ने शानिवार को किया गिरफ्तार।

इन बदमाशों के खिलाफ एनसीआरपी पोर्टल पर अभी तक उक्त घटनाओं मे प्रयुक्त बैंक खातों के विरुद्ध पूरे भारत वर्ष में अलग- अलग राज्यों में कुल 43 शिकायते दर्ज होने का मामला सामने आया है। अपर पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि बीते 3 दिसबंर 2025 को इंद्रपाल चौहान पुत्र प्रताप सिंह चौहान निवासी सेक्टर-47 ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी उनके साथ शेयर मार्केट में इन्वेस्ट कर लाभ कमाने के नाम पर 12 करोड़ रुपए की

धोखाधड़ी हुई है। उन्होंने बताया कि पीड़ति की शिकायत पर विभिन्न मामलों में मुकदमा पंजीकृत किया गया था, जिसमें साइबर अपराधी द्वारा वादी को शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट कर लाभ कमाने के नाम पर 12 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गयी। विवेचना में त्वरित कार्यवाही करते हुए धोखाधड़ी मे लिप्त संदिग्ध बैंक खातों को तत्काल फ्रीज कराया गया। जांच के दौरान खाताधारक अर्जुन सिंह के द्वारा बताया गया कि वह पंकज गुप्ता के कहने पर रूपेन्द्र और तेजपाल के संपर्क मे आया, अभियुक्तगण रूपेन्द्र और तेजपाल स्थानीय लोगों को कमीशन देने के नाम पर उनकी जीएसटी तथा उद्यम प्रमाण-पत्र बनवाकर फर्म खुलवाते हैं, फिर उनका करंट बैंक खाता खुलवाते हैं। अभियुक्त तेजपाल के कहने के नाम पर रूपेन्द्र खाताधारक को अपने साथ मुंबई ले जाता है, फिर अन्य साथियों की मदद से विभिन्न बैंक खातों में घटना से संबंधित धोखाधड़ी की धनराशि की स्थानांतरित करते हैं। उन्होंने बताया कि धोखाधड़ी मे प्रयुक्त बैंक खाते में आई धनराशि का 7 से 10 प्रतिशत नकद प्राप्त कर अभियुक्त तेजपाल अपने पास रख लेता हैं एवं 3 से 5 प्रतिशत खाताधारकों एवं मिडीएटर को दे देता हैं।

एडीसीपी ने बताया कि विवेचना के दौरान पाया गया है कि उक्त गैंग द्वारा लगभग 50 से 60 बैंक खाते धोखाधड़ी में प्रयोग करने के लिए खुलवाए गए हैं। अभियुक्त लगभग 1 वर्ष से साइबर अपराधों में लिप्त है तथा देश के विभिन्न राज्यों मे इनके विरुद्ध शिकायते दर्ज हैं। घटना में लिप्त अन्य अपराधियों के गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

डॉ. आंबेडकर का जीवन संघर्ष, परिश्रम, समानता के सिद्धांतों का प्रतीक : सीएम

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर अलीपुर स्थित राष्ट्रीय स्मारक स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह और विधायक सूर्य प्रकाश खत्री मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में लिखा, डॉ. आंबेडकर का जीवन संघर्ष, परिश्रम और समानता के सिद्धांतों का प्रतीक रहा है। उन्होंने जिस समतामूलक राष्ट्र की परिकल्पना की, उसे साकार करने का दायित्व हम सभी पर है। आज उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर हम उनके आदर्शों, संवैधानिक मूल्यों, कर्तव्यनिष्ठा, सामाजिक समरसता और राष्ट्रहित को पुनः आत्मसात करने का संकल्प लेते हैं। उन्होंने कहा कि न्याय, समता और सामाजिक उत्थान के जिन अमूल्य सिद्धांतों पर आधुनिक भारत की नींव रखी गई, उनके केंद्र में बाबा साहेब का अद्वितीय योगदान सदैव अमर रहेगा। उन्होंने वंचितों, शोषितों और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को अधिकार, सम्मान और अवसर दिलाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया। डॉ. आंबेडकर के सपनों का समतामूलक, सशक्त और समावेशी समाज बनाने के लिए दिल्ली सरकार प्रतिबद्ध रूप से कार्य कर रही है।

दिल्ली के महापौर और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बाबासाहेब अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह और दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को डॉ. भीम राव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। महापौर राजा इकबाल सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय, समान अधिकार और शिक्षा के माध्यम से लोगों को सशक्त बनाने की उनकी सोच आज भी देश को दिशा देती है। संविधान निर्माण और वंचित वर्गों के उत्थान में उनका योगदान हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। हम सभी उनकी सीखों के साथ एक बेहतर समाज बनाने का संकल्प दोहराते हैं। भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि सर्वसमावेशी, सर्वहितग्राही और उत्कृष्ट लोकतांत्रिक मूल्यों से दीप्त 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को समृद्ध करने वाले भारतीय संविधान के शिल्पकार, 'भारत रत्न' बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। समतामूलक एवं न्यायप्रिय समाज की स्थापना के लिए उनका संघर्ष सभी को अनंत काल तक प्रेरणा प्रदान करता रहेगा। उल्लेखनीय है कि, 6 दिसंबर 1956 को डॉ भीमराव अंबेडकर का निधन हुआ। इसी दिन को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री अपनी कैबिनेट के साथ आठ को 'शुकराना' अदा करने जाएंगी स्वर्ण मंदिर

नई दिल्ली। लाल किला के प्रांगण में गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय 'गुरमत समागम' के भव्य एवं सफल आयोजन पर 'शुकराना' अदा करने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपनी पूरी कैबिनेट के साथ 8 दिसंबर को अमृतसर स्थित हरमंदिर साहब (स्वर्ण मंदिर) जाएंगी। यह जानकारी शनिवार को एक विज्ञप्ति जारी कर दी गई। लाल लाल किला पर आयोजित 'गुरमत समागम' की अद्भुत सफलता को मुख्यमंत्री ने गुरु साहिब की कृपा माना है। विशेषकर उस परिस्थिति में जब आयोजन से कुछ दिन पूर्व ही आतंकी घटना से पूरा क्षेत्र सहमा हुआ था, फिर भी छह लाख से अधिक श्रद्धालुओं का निर्बाध रूप से शामिल होना स्वयं इस बात का प्रमाण है कि गुरु तेग बहादुर जी की शहादत की ऊर्जा आज भी समाज को एकजुट रखने की शक्ति रखती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनका अपनी पूरी सरकार की कैबिनेट के साथ हरमंदिर साहिब जाना केवल एक औपचारिक यात्रा नहीं बल्कि गुरु परंपरा के प्रति गहरी आस्था और कृतज्ञता का प्रतीक है। सिख इतिहास में हरमंदिर साहिब वह पवित्र स्थल है, जहां संसार भर से संगत केवल दर्शन के लिए नहीं, बल्कि आत्मिक शांति, साहस और सेवा की भावना प्राप्त करने आती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गुरु साहिब को 'शुकराना' अर्पित करने का यह कदम दिल्ली सरकार की ओर से सिख समुदाय के प्रति सम्मान और दिल्ली की सांझी विरासत को नमन भी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि लाल किला पर 23 से 25 नवंबर को तीन दिवसीय 'गुरमत समागम' स्वतंत्र भारत के सबसे भव्य और ऐतिहासिक धार्मिक आयोजनों में एक के रूप में स्थापित हुआ। इस समागम का संयुक्त आयोजन दिल्ली सरकार एवं दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा किया गया, जिसमें छह लाख श्रद्धालुओं ने भागीदारी की, जो एक रेकॉर्ड है। इनमें दिल्ली और देश के अन्य राज्यों के अलावा विदेश से आए श्रद्धालुओं ने नवें पातशाह को नमन किया और उनके बलिदान को स्मरण किया।

विजेंद्र गुप्ता ने दी डॉ. आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा परिसर में डॉ. भीमराव आंबेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधायक संजय गोयल तथा दिल्ली विधान सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। सभी ने भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि डॉ. आंबेडकर द्वारा भारतीय संविधान की प्रारूप समिति का नेतृत्व भारत के लिए न्याय, समानता और व्यक्तिगत गरिमा के प्रति समर्पित एक सुदृढ़ संवैधानिक ढांचे की नींव बना। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर की संवैधानिक दृष्टि आज भी देश के लोकतांत्रिक संस्थानों के लिए नैतिक मार्गदर्शक बनी हुई है। गुप्ता ने स्मरण किया कि सामाजिक भेदभाव पर विजय पाते हुए डॉ. आंबेडकर की प्रेरणादायक जीवन यात्रा और स्वतंत्र भारत के संविधान निर्माण में उनकी निर्णायक भूमिका दृढ़ता, प्रज्ञा और परिवर्तनकारी नेतृत्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर का कार्य लोकतांत्रिक शासन को सुदृढ़ बनाने और समाज के सभी वर्गों को अवसर प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि महापरिनिर्वाण दिवस केवल डॉ. आंबेडकर के योगदान को स्मरण करने का दिवस नहीं, बल्कि संवैधानिक नैतिकता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ करने का भी अवसर है। उन्होंने आश्वस्त किया कि विधानसभा नागरिक शिक्षा, संवैधानिक जागरूकता और उन पहलों को बढ़ावा देती रहेगी, जो डॉ. आंबेडकर के समावेशी एवं प्रगतिशील भारत के स्वप्न को साकार करने में सहायक हैं।

संक्षिप्त खबरें

कार पार्किंग को लेकर हुए विवाद में घर के बाहर गोली चलाने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर में अपने घर के बाहर कार पार्किंग को लेकर भाई से हुए झगड़े के बाद कथित तौर पर गोलीबारी करने के लिए 38 वर्षीय एक व्यक्ति को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार देर रात सवा एक बजे हुई और आरोपी की पहचान मोहम्मद शाहिद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता इमरान (33) ने जांचकर्ताओं को बताया कि उसके भाई ने सीलमपुर में उनके घर के पास अपनी कार खड़ी की थी, जिस पर उसने आपत्ति जताई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि झगड़ा बढ़ गया और शाहिद ने कथित तौर पर एक गोली चलाई और मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि गोलीबारी में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं और शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया गया। उन्होंने बताया कि फोरेंसिक की एक टीम ने घटनास्थल की जांच की और बैलिस्टिक नमूनों सहित साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने इलाके से शाहिद को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि अपराध में इस्तेमाल किए गए हथियार का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जांच जारी है।

इंडियन विमेन प्रेस क्लब एवं डीयूजे को मिली बम की धमकी

नई दिल्ली। इंडियन विमेन प्रेस क्लब परिसर में शनिवार तड़के बम की धमकी मिलने से अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। संस्था की आधिकारिक ईमेल आईडी पर सुबह 4:57 बजे एक मेल प्राप्त हुआ, जिसमें दावा किया गया कि इंडियन विमेन प्रेस क्लब और डीयूजे परिसर में आरडीएक्स-ईआईडी लगाया गया है। ईमेल मिलते ही प्रबंधन ने तुरंत दिल्ली पुलिस को इसकी सूचना दी। थोड़ी ही देर में दिल्ली बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंच गए और पूरे परिसर की गहन तलाशी ली। साथ ही, फायर ब्रिगेड की टीम भी सुरक्षा जांच में शामिल हुई। सभी एजेंसियों द्वारा विस्तृत जांच के बाद परिसर को पूरी तरह सुरक्षित और खतरे से मुक्त घोषित कर दिया गया। इंडियन विमेन प्रेसक्लब की अध्यक्ष सुजाता राघवन और महासचिव अदिति भाल ने सदस्यों को आश्वस्त किया है कि सुरक्षा को लेकर सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। चिंता की कोई बात नहीं है।

राउज एवेन्यू कोर्ट में राबड़ी देवी की याचिका पर सुनवाई 9 दिसंबर को

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट के प्रिंसिपल एंड डिस्ट्रिक्ट जज ने रेलवे के दो घोटालों से जुड़े मामले में आरोपित बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की अपने और परिवार के सदस्यों के खिलाफ लंबित केस को दूसरे जज के पास ट्रांसफर करने की मांग पर 9 दिसंबर को भी सुनवाई जारी रखने का आदेश दिया है। प्रिंसिपल एंड डिस्ट्रिक्ट जज दिनेश भट्ट ने ये आदेश दिया। सुनवाई के दौरान शनिवार को राबड़ी देवी के वकील ने कहा कि सुनवाई कर रहे थे विशाल गोगने प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहे हैं। वे 2026 में किसी भी तरह फैसला सुनाना चाहते हैं। उन्होंने जज विशाल गोगने पर आरोप लगाया कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान भी उन्होंने आरोप तय करते समय कोर्ट बुलाया था।

मुख्यमंत्री ने की रिंग रोड धुलाई अभियान की शुरूआत

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज रिंग रोड पर सफाई अभियान की शुरूआत की। उन्होंने सिविल लाइंस स्थित खैबर पास चौक पर लोक निर्माण विभाग द्वारा आयोजित व्यापक सड़क सफाई एवं धुलाई अभियान में सक्रिय भागीदारी की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पोस्ट करते हुए कहा कि दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने और धूल नियंत्रण सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। शहर में नियमित सड़क धुलाई, यांत्रिक सफाई व जमीनी निगरानी को अत्यंत तेज गति और गंभीरता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह और विधायक सूर्य प्रकाश खत्री ने भी इस अभियान में हिस्सा लिया। प्रदूषण के विरुद्ध - दिल्ली का युद्ध निरंतर जारी है। रिंग रोड धुलाई अभियान के तहत सड़क, फुटपाथ, सेंट्रल वर्ज साफ करने के साथ-साथ पूरे रिंग रोड के दोनों तरफ के पेड़ों, झाड़ियों आदि की धुलाई की जा रही है। इससे पहले कभी भी पूरे रिंग रोड की एक साथ सफाई व धुलाई नहीं की गई। अभियान के लिए आधुनिक मशीनों का प्रयोग किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य पूरे रिंग रोड को धूल से नियंत्रित करना और वायु गुणवत्ता में सुधार लाना है।

मोदी के नेतृत्व में दिव्यांग जनों के प्रति दृष्टिकोण में आया निर्णायक बदला : गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में दिव्यांग जनों के प्रति भारत का दृष्टिकोण निर्णायक रूप से बदला है। प्रधानमंत्री द्वारा गरिमा, सशक्तीकरण और क्षमता को नीति-निर्माण के केंद्र में रखने से दिव्यांग नागरिकों के प्रति राष्ट्रीय दृष्टिकोण अधिक संवेदनशील और सक्षम हुआ है।

विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता शनिवार को 'दिव्यालिम्पिक्स 2025: सेलिब्रेटिंग एबिलिटीज' को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन आशीर्वाद फाउंडेशन ऑफ इंडिया एवं कौशल्या फाउंडेशन द्वारा जनकपुरी स्थित भारती कॉलेज में आयोजित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सुगमता को मजबूत करने के लिए कल्याणकारी और शैक्षणिक सहायता की व्यापक व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने 'निर्मया' जैसी स्वास्थ्य बीमा योजना तथा 'इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना' जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का उल्लेख किया, जो दिव्यांग नागरिकों को स्थिरता और सुरक्षा प्रदान करती हैं। उन्होंने दिव्यांग छात्रों के लिए प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति जैसी शैक्षणिक पहलों का भी उल्लेख किया, जो शिक्षा की निरंतरता और समान अवसर सुनिश्चित करती हैं। सुगमता और प्रोत्साहन के परिणामों को रेखांकित करते हुए गुप्ता ने गिरीश कुमार की प्रेरणादायक यात्रा का उदाहरण दिया। बचपन में ट्रेन दुर्घटना में एक पैर खोने के बाद भी उन्होंने अनुशासन और दृढ़ निश्चय के साथ बैडमिंटन में अपना मार्ग बनाया।

निरंतर प्रशिक्षण और परिश्रम से उन्होंने प्रतिस्पर्धात्मक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित की। अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे उदाहरण दिखाते हैं कि जब अवसर, प्रोत्साहन और संस्थागत समर्थन उपलब्ध हो, तो क्षमता प्रदर्शन परिवर्तित हो जाती है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि दिव्यांग व्यक्ति शिक्षा, खेल, रोजगार, सृजनात्मक क्षेत्रों और सार्वजनिक जीवन में निरंतर सार्थक योगदान दे रहे हैं, जिससे विविधता और संस्थागत क्षमता मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है जब समावेशन व्यवहारिक, मापनीय और समान सहभागिता पर आधारित हो। उन्होंने कहा कि एक प्रगतिशील राष्ट्र विशेष व्यवस्था से नहीं, बल्कि समान अवसर, समान मानक और क्षमता के प्रति सम्मान से परिभाषित होता है।

दुकान में लगी आग, दंपति की मौत

नई दिल्ली। बाहरी जिले के मुंडका थाना क्षेत्र के टिकरी कलां में शुक्रवार सुबह लेखराम पार्क स्थित स्कूल वाली गली में चल रही एक छोटी किराना दुकान में अचानक आग लगने से दंपती की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों अंदर ही फंस गए थे और धुएं के बीच निकलने का रास्ता न मिलने के कारण उनकी सांसें थम गईं। बाहरी जिले के पुलिस उपायुक्त सचीन शर्मा ने शनिवार को बताया कि दुकान का संचालन विनीत (31) और उनकी पत्नी रेनू (29) कर रहे थे। दुकान के काउंटर के पास रखे और लटके प्लास्टिक पैकेट्स में अचानक संदिग्ध शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़क उठी। कुछ ही पलों में लपटों और धुएं ने दुकान के सामने वाले हिस्से को घेर लिया। बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद घबराकर दंपती ने बाहर निकलने के लिए शटर नीचे किया, ताकि शायद वे धुएं से बचकर निकल सकें। लेकिन शटर के नीचे ही वह फंस गए और बाहर निकलने में सफल नहीं हो पाए। धुआं तेजी से अंदर भरता गया और दोनों बेहोश होकर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही मुंडका थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने लकड़ी का बड़े आकार का लॉग मंगवाकर किसी तरह शटर तोड़ा और अंदर फंसे दंपती को बाहर निकाला। दोनों को तत्काल बहादुरगढ़ स्थित ऑस्कर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने पहुंचकर आसपास की जगह को सुरक्षित किया और आग पूरी तरह बुझाई। क्राइम टीम ने मौके का निरीक्षण कर सबूत जुटाए। शुरुआती जांच में आग का कारण इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट ही सामने आया है, पर पुलिस अन्य संभावनाओं की भी जांच कर रही है। घटना सुबह आठ बजे की है। पुलिस अधिकारी के अनुसार शुरुआती जांच में पता चला है कि दंपती मेहनत से अपनी छोटी दुकान चलाते थे और इलाके में काफी समय से रह रहे थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

एनडीएमसी ने शिकायत निवारण सुविधा शिविर का किया आयोजन

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं को सूचना, सुविधा और शिकायत निवारण प्रदान करने के लिए शनिवार को एनडीएमसी कन्वेन्शन सेंटर में सुविधा शिविर का आयोजन किया।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के संबंधित अधिकारियों ने शिविर में जनता से 64 शिकायतें प्राप्त की। निवासियों की अधिकांश शिकायतें कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर और संपदा विभागों से संबंधित हैं। इसके अलावा हजारों स्थानीय निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं ने नागरिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए सुविधा शिविर का दौरा किया।

पालिका परिषद ने शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए विभिन्न विभागों से संबंधित अधिकारियों ने जनता से उनकी जन शिकायतों पर आमने-सामने चर्चा की और उनका समाधान किया गया। नीति स्तर के निर्णयों की आवश्यकता वाली शिकायतों को उनके निवारण की संभावित समय-सीमा के साथ समझाया गया।

एनडीएमसी के 30 विभागों के 100 से अधिक अधिकारी एवं कर्मचारी शिकायतों के निवारण के लिए शिविर में मौके पर मौजूद रहे। विभिन्न विभागों के हेल्प डेस्क की निगरानी उनके विभागाध्यक्ष करते रहे।

इन सुविधा शिविरों के आयोजन के अलावा पालिका परिषद क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं के लिए संपर्क रहित शिकायत निवारण तंत्र के रूप में एक ₹जन सुविधा पोर्टल₹ भी लॉन्च किया हुआ है। इस जन सुविधा पोर्टल का लिंक एनडीएमसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। जन सुविधा पोर्टल का उपयोग शिकायत दर्ज करने, उनकी शिकायत की स्थिति पर नजर रखने और शिकायत निवारण तंत्र पर प्रतिक्रिया देने के लिए किया जा सकता है।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद सोशल मीडिया प्लैटफार्म जैसे एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम के माध्यम से जनता से शिकायतें प्राप्त कर रही है। इन शिकायतों की निगरानी पालिका परिषद के विभिन्न विभागाध्यक्षों द्वारा निगरानी की जा रही है और इनका यथासंभव जल्द से जल्द समाधान किया जा रहा है।

सात महीने बाद मेट्रो एटीएस ने नवजात के अपहरण की गुत्थी को सुलझाते हुए पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। दिल्ली के शास्त्री पार्क मेट्रो थाना क्षेत्र में बीते जून में हुए नवजात बच्चे के अपहरण और तस्करी के मामले में मेट्रो की एटीएस यूनिट ने मुख्य महिला आरोपित समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के चुंगल से बच्चे को सुरक्षित बरामद कर उसकी मां के सुपुर्द कर दिया है। इसमें मुख्य आरोपित देवकी पिछले सात महीनों से लगातार अपने ठिकाने बदल रही थी, जिसे उप्र के जनपद महोबा स्थित किराए के घर से गिरफ्तार किया गया। मेट्रो के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि चार जून को शिकायतकर्ता पूनम ने शास्त्री पार्क मेट्रो थाने में सूचना दी थी कि सीलमपुर मेट्रो स्टेशन पर एक अज्ञात महिला उसका नवजात बच्चा लेकर फरार हो गई। प्रारंभिक जांच में कोई ठोस सुराग न मिलने के बाद मामला एटीएस/मेट्रो को ट्रांसफर कर दिया गया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि एटीएस टीम ने तकनीकी निगरानी शुरू की, जिसमें पता चला कि आरोपित महिला देवकी महोबा में घूम-फिर रही है। टीम ने हर गतिविधि पर नजर रखी और अंततः महोबा स्थित किराए के मकान को आरोपित का ठिकाना होने की पुष्टि की। जिसके बाद टीम ने दबिश देकर देवकी को गिरफ्तार किया। कोर्ट से तीन दिन की पुलिस रिमांड भी प्राप्त की गई। पूछताछ में देवकी ने खुलासा किया कि उसने महिला मंजू के कहने पर बच्चे का अपहरण किया था। देवकी ने बच्चे को करीब 15 दिन अपने पास रखने के बाद आर्य नगर, दिल्ली में 1.50 लाख रुपये में बेच दिया था। देवकी की निशानदेही पर बच्चा बनीता (पत्नी–धीर सिंह) के कब्जे से बरामद किया गया। इसके बाद बनीता, धीर सिंह, शिला (बिचौलिया) और मंजू को भी गिरफ्तार कर लिया गया। सभी को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पकड़ी गई महिला पति से अलग रहती है और सीलमपुर मेट्रो स्टेशन पर भीख मांगती थी। यह मामले में मुख्य आरोपित है। वहीं मंजू देवी (44) गांधी नगर स्थित आंगनवाड़ी में हेल्पर और साज़िशकर्ता है।

विश्व राजनीति के बदलते चेहरे का संकेत पुतिन का भारत दौरा

संपादकीय

हिंद-रूस दोस्ती जिंदाबाद

भारत और रूस की दोस्ती सात दशक पुरानी है। दो दोस्तों ने, इतने लंबे वक्त तक, कई तूफानों और इम्तिहानों के बावजूद, दोस्ती को बरकरार रखा है, यकीनन यह एक मिसाल है। राष्ट्रपति पुतिन ने रूस से यात्रा आरंभ करने से पूर्व इसी आशय का बयान दिया था। दरअसल रूस भारत को ऐसे 'रणनीतिक साझेदार' के रूप में स्वीकार करना चाहता है, जिसकी साझेदारी असीम, निस्सीम अर्थात सीमारहित हो। कोई सीमा नहीं, रूस और चीन की साझेदारी ऐसी है। रूस भारत को भी उन्हीं समीकरणों में देखना चाहता है। राष्ट्रपति पुतिन ने अपनी इच्छा फिर दोहराई है कि रूस, भारत, चीन को एक 'तिकड़ी' बन जाना चाहिए। वह 'तिकड़ी' अमरीका से मुकाबला करने में सक्षम और सशक्त साबित होगी। बेशक पुतिन की यह इच्छा विचारणीय है, क्योंकि रूस पर अकेले अमरीका ने ही करीब 6500 पाबंदियां थोप रखी हैं। रूस पर कुल 26,000 के करीब प्रतिबंध हैं। फिर भी रूस दबाव में नहीं है। उसका अस्तित्व यथावत है। उसकी अर्थव्यवस्था को ज्यादा धक्के नहीं लगे हैं। भारत और चीन ने रूस से कच्चा तेल खरीद कर उसकी आर्थिक मदद ही की है। हालांकि भारत ने अब यह खरीद एक-तिहाई कर दी है। कारण अमरीका का दबाव ही नहीं है। रूस यूक्रेन और परोक्ष रूप से अमरीका, यूरोप, नाटो देशों के खिलाफ लगातार युद्ध लड़ रहा है। रूस से कच्चा तेल लेने के कारण ही अमरीका ने भारत पर, जुर्माने के रूप में, 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ थोपा था। भारत पर कुल टैरिफ 50 फीसदी है। अमरीका चीन को भी टैरिफ की धमकियां देता रहा है। बहरहाल रूस भारत को 'असीमित' रणनीतिक साझेदार के रूप में देखना चाहता है। रूसी संसद ने 'रेलोस' समझौते को भी मंजूरी दी है। उसके तहत भारत रूस के एयरबेस, नौसेना पोर्ट, युद्धपोत, सैन्य बल एवं साजो सामान, फ्यूल, संसाधन आदि इस्तेमाल कर सकेगा। रूस के 5 युद्धपोत, 10 सैन्य विमान, 3000 सैनिक आगामी 5 साल के लिए भारतीय जमीन पर तैनात किए जा सकेंगे। भारत की इतनी ही सैन्य ताकत रूसी जमीन पर तैनात होगी। यह समझौता 'रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट' (आरईएलओएस) है, जो रूसी संसद में पारित किया गया है। इससे भारत और रूस दो देश तो रहेंगे, लेकिन उनकी सैन्य-शक्ति 'एकाकार' हो जाएगी, जिसे सोच कर ही दुश्मन कांपने लगेगा। बेशक दुश्मन की शक्ति कमजोर पड़ेगी। यही नहीं, भारत-रूस के बीच 'नागरिक परमाणु करार' भी होगा। भारत का ऐसा करार सिर्फ अमरीका और फ्रांस के साथ है। रूस पहले ही भारत में 1000 मेगावाट प्रति के चार परमाणु रिएक्टर स्थापित करने की प्रक्रिया में है। इससे भारत में परमाणु ऊर्जा की क्षमता बढ़ेगी।

पुतिन की यह यात्रा भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने के मौके पर हो रही है। यह साझेदारी अक्टूबर 2000 में शुरू हुई थी। दिसंबर 2010 में इसे बढ़ाते हुए 'स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का दर्जा दिया गया था। पीएम मोदी और पुतिन की आज होने वाली बैठक कई मायनों में अहम है क्योंकि इसमें तेल सप्लाई बढ़ाने, न्यूक्लियर एनर्जी क्षेत्र में सहयोग के नए विकल्प खोजने और एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम व एसयू-57 फाइटर जेट जैसी डिफेंस डील्स पर चर्चा होने की उम्मीद है। बदलते भू-राजनीतिक माहौल में पुतिन का यह दौरा भारत-रूस की रणनीतिक साझेदारी की मजबूती और उसकी निरंतर अहमियत को दर्शाता है। आज रूस के रोसाटॉम के साथ छोटे मॉड्यूलर न्यूक्लियर रिएक्टर (एसएमआर) की डील पर भी मुहर लग सकती है। भारतीय राजनयिक वीना सीकरी ने कहा, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण संकेत था कि हमारे प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति पुतिन का स्वागत करने के लिए स्वयं हवाई अड्डे जाने का निर्णय लिया। मुझे विश्वास है कि यह एक अत्यंत सफल यात्रा होगी।

-मनोज कुमार अग्रवाल-

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत के दौरे पर आ चुके हैं। एयरपोर्ट पर खुद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका स्वागत किया है। पुतिन का यह दौरा व्यापार से लेकर रक्षा सौदों तक बेहद खास है। खासतौर पर ऐसे समय जब अमेरिका के राष्ट्रपित डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत और अमेरिका के रिश्तों को बिगाड़ने पर लगे हुए हैं। रूसी राष्ट्रपति के सम्मान में आज (5 दिसंबर) प्राइवेट डिनर भी रखा गया है। इस वार्ता पर पश्चिमी देशों की पैनी निगाह है। के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार 4 दिसंबर 2025 को दो दिवसीय भारत दौरे पर आ गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही यह यात्रा चार साल बाद पुतिन की पहली भारत यात्रा है। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग, व्यापार को बाहरी दबावों से बचाने और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों में साझेदारी पर खास ध्यान दिया जाएगा। शुक्रवार 5 दिसंबर की सुबह पुतिन को औपचारिक स्वागत दिया जाएगा। इसके बाद 23वां भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन होगा, जहां दोनों नेता प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करेंगे। समिट के बाद पुतिन आरटी के नए इंडिया चैनल का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उनके सम्मान में राजकीय भोज आयोजित करेंगी।

पुतिन की यह यात्रा भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने के मौके पर हो रही है। यह साझेदारी अक्टूबर 2000 में शुरू हुई थी। दिसंबर 2010 में इसे बढ़ाते हुए 'स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रैटैजिक पार्टनरशिप' का दर्जा दिया गया था। पीएम मोदी और पुतिन की आज होने वाली बैठक कई मायनों में अहम है क्योंकि इसमें तेल सप्लाई बढ़ाने, न्यूक्लियर एनर्जी क्षेत्र में सहयोग के नए विकल्प खोजने और एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम व एसयू-57 फाइटर जेट जैसी डिफेंस डील्स पर चर्चा होने की उम्मीद है। बदलते भू-राजनीतिक माहौल में पुतिन का यह दौरा भारत-रूस की रणनीतिक साझेदारी की मजबूती और उसकी निरंतर अहमियत को दर्शाता है। आज रूस के रोसाटॉम के साथ छोटे मॉड्यूलर न्यूक्लियर रिएक्टर (एसएमआर) की डील पर भी मुहर लग सकती है।

भारतीय राजनयिक वीना सीकरी ने कहा, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण संकेत था कि हमारे प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति पुतिन का स्वागत करने के लिए स्वयं हवाई अड्डे जाने का निर्णय लिया। मुझे विश्वास है कि यह एक अत्यंत सफल यात्रा होगी। चर्चा के तीन-चार प्रमुख क्षेत्र रक्षा सहयोग होंगे। हम जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित ब्रह्मोस मिसाइल और एस-400 वायु रक्षा प्रणाली वास्तव में मुख्य आकर्षण थे। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा है कि वह प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए तैयार हैं। ये बहुत महत्वपूर्ण पहलू हैं, जिन पर हमारी सरकार निश्चित रूप से बहुत ध्यान से विचार करेगी। व्यापार के क्षेत्र में मुझे लगता है कि यह भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत को सोवियत संघ को अपना निर्यात बढ़ाना है। इन सभी पर व्यापार के संदर्भ में चर्चा की जाएगी।

आपको बता दें कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों विशेषकर शेषकर यूक्रेन युद्ध और एशिया में शक्ति संतुलन के बीच उनका यह दौरा कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसलिए पुतिन का यह दौरा बदलते वैश्विक समीकरणों, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और भारत-रूस संबंधों के नए अध्याय की ओर इशारा है। सर्वविदित है विश्व राजनीति गहरे परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। एक ओर अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा चरम पर है, दूसरी ओर यूरोप-रूस संबंध यूक्रेन युद्ध के कारण अभूतपूर्व तनाव में हैं। ऐसे में पुतिन का भारत आना यह दर्शाता है कि भारत वैश्विक शक्ति राजनीति के केंद्र में है और रूस के लिए रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण बना हुआ है। पुतिन की यह यात्रा इसलिए भी खास मानी जा रही है, क्योंकि जब पश्चिमी देश रूस को अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं, तब भारत गर्मजोशी से रूसी राष्ट्रपति का स्वागत कर रहा है। यह दिखाता है कि भारत अपनी विदेश नीति के फैसले खुद लेता है और किसी के दबाव में नहीं आता। इसे ही रणनीतिक स्वायत्तता कहते हैं। पुतिन के इस दौरे को भारत और रूस के बीच रणनीतिक रिश्तों की मजबूती के तौर पर देखा जा रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरे से रूस की वैधता को मजबूती मिलेगी। इस दौरे के दौरान, दोनों देशों का मुख्य फोकस डिफेंस, एनर्जी, ट्रेड सेक्टर में सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाना होगा। इसमें डिफेंस सेक्टर में सहयोग, रियायती रूसी तेल की सप्लाई, स्थानीय मुद्राओं (रुपया-रूबल) में व्यापार पर चर्चा की जा सकती है। अमेरिका की ओर ओर से भारत पर लगाए टैरिफ के बाद इस दौरे को अहम माना जा रहा है।

आपको पता है रूस और भारत के रिश्ते महत्वपूर्ण रहे हैं, वैश्विक राजनीति की बदलती तस्वीर के बावजूद भारत और रूस लगातार एक-दूसरे के और करीब आ रहे हैं। कुछ महीने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस की यात्रा पर गए थे, अब पुतिन भारत आ रहे हैं और इस दौरे पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। विशेषकर वैश्विक मंच पर जहां अमेरिका और चीन आपस में लगातार शक्ति संतुलन की प्रतिस्पर्धा में लगे हैं, वहीं भारत ऐसे समय में अपने हितों को प्राथमिकता देते हुए बहुपक्षीय संबंधों को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है। भारत और रूस के बीच संबंध कोई नया नहीं है लगभग 70 वर्षों से यह रिश्ता सामरिक, कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर निरंतर मजबूती के साथ आगे बढ़ा है। 1971 की भारत सोवियत मैत्री संधि ने दोनों देशों के बीच विश्वास को वह नींव रखी, जो वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच भी कायम रही। आज जब दुनिया नए शक्ति संतुलन, नए क्षेत्रीय तनावों और नई आर्थिक प्रतिस्पर्धाओं से गुजर रही है, ऐसे समय में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा अत्यंत त्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यह यात्रा न सिर्फ सामरिक साझेदारी को मजबूत करेगी, बल्कि अमेरिका, चीन और यूरोपीय देशों के बदलते रुख के बीच भारत की स्वतंत्र विदेश नीति के संदेश को भी दोहराएगी। साथ ही दो कारणों से खास मायने रखता है। पहला, अमेरिका की ओर से भारत को लेकर रणनीति में बदलाव दिख रहा है, चाहे वह पाकिस्तान को बढ़ाया गया महत्व हो या भारत के लिए बढ़ाए गए टैरिफ हों, स्पष्ट संकेत देते हैं कि वाशिंगटन अब नई प्राथमिकताएं तय कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की नई नीतियां भारत-अमेरिका संबंधों के भविष्य को जटिल बना रही हैं। दूसरा, रूस पश्चिमी प्रतिबंधों से जूझ रहा है और नई आर्थिक साझेदारियों की तलाश में है। इस बदलती परिस्थिति ने भारत और रूस को एक-दूसरे के और करीब आने की वास्तविक जरूरत पैदा की है। रक्षा क्षेत्र में भारत और रूस का सहयोग दशकों से अत्यंत मजबूत रहा है। भारतीय सेना के 60 एवं 70 प्रतिशत उपकरण रूसी तकनीक पर आधारित हैं। एस-400 मिसाइल सिस्टम, ब्रहमोस सुपरसोनिक मिसाइल, टी-90 टैंक, मिग और सुखोई फाइटर जेट, अकुला क्लास न्यूक्लियर सबमरीन ये सभी इस साझेदारी के प्रमाण हैं। अब जबकि वैश्विक राजनीति में तकनीकी श्रेष्ठता निर्णायक बन चुकी है, पुतिन की यात्रा से रक्षा के क्षेत्र में नए अध्याय जुड़ने की उम्मीद है। एस-500 जैसे अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम, ब्रह्मोस के नए वेरिएंट, नए हेलिकॉप्टर और जेट्स पर संभावित समझौते भारत की सैन्य क्षमता को नई ऊंचाई दे सकते हैं। लेकिन इस दौरे का महत्व सिर्फ रक्षा तक सीमित नहीं है। रूस भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा का भी एक प्रमुख स्तंभ बन चुका है।

2030 राष्ट्रमंडल खेल और 2036 विश्व-ओलंपिक : अवसर, जोखिम और भविष्य

- डॉ सत्यवान सौरभ

सन 2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत के लिए केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि सन् 2036 के विश्व-ओलंपिक प्रस्ताव का निर्णायक "अग्रदूत" हैं। यह आयोजन भारत की सांस्कृतिक-शक्ति (सॉफ्ट पावर) को नई ऊँचाई दे सकता है, परन्तु किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कमी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकती है। विशाल खेल आयोजन किसी भी राष्ट्र के लिए मात्र खेल-प्रतियोगिताएँ नहीं होते, बल्कि वे उस देश की राजनैतिक इच्छा-शक्ति, आर्थिक सामर्थ्य, सांस्कृतिक पहचान और प्रशासनिक परिपक्वता का सार्वजनिक प्रदर्शन भी होते हैं। आधुनिक समय में खेल कूटनीति एक प्रकार की सांस्कृतिक-शक्ति बन चुकी है—ऐसी शक्ति जो बिना किसी सैन्य बल के, विश्व समुदाय को अपने अनुकूल प्रभावित कर सकती है। भारत लंबे समय से विश्व-स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा के विविध आयामों को सुदृढ़ करने का प्रयास करता आया है, और सन 2036 के विश्व-ओलंपिक आयोजन की महत्वाकांक्षा इसी दिशा का अगला स्वाभाविक चरण है। परंतु ओलंपिक जैसे विराट आयोजन से पहले सन 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी को भारत एक प्रकार के "पूर्वाभ्यास", "पूर्व-ओलंपिक नमूने" और "वैश्विक विश्वास की परीक्षा" के रूप में देख रहा है। यह रणनीति जितनी आकर्षक संभावनाएँ प्रदान करती है, उतनी ही गंभीर आर्थिक, प्रशासनिक और सामाजिक चुनौतियाँ भी प्रस्तुत करती है।

भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में इस प्रकार के आयोजनों की तैयारी केवल खेल मंत्रालय का नहीं बल्कि केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, नगर निकायों, सुरक्षा संस्थाओं, निजी क्षेत्र, तकनीकी विशेषज्ञों, खेल संघों और व्यापक समाज- सभी का संयुक्त प्रयास मांगती है। यदि भारत 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को सफलतापूर्वक आयोजित कर लेता है, तो यह विश्व स्तर पर यह संदेश जाएगा कि देश 2036 के विश्व-ओलंपिक जैसे महाकाय आयोजन को संभालने में सक्षम है। यही कारण है कि यह आयोजन भारत की विश्वसनीयता के लिए एक निर्णायक पड़ाव साबित हो सकता है।

भारत की सबसे बड़ी प्रेरणा सांस्कृतिक-शक्ति को सुदृढ़ करना है। आज वैश्विक राजनीति में खेल आयोजन एक सांस्कृतिक उत्सव से आगे बढ़कर राष्ट्र की क्षमताओं की खुली परीक्षा बन चुके हैं। राष्ट्र अपनी तकनीकी दक्षता, शहर-प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, सामाजिक समावेशन, पर्यावरण-जागरूकता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का विश्व मंच पर प्रदर्शन करते हैं। भारत यदि सन 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को उच्च स्तर पर सम्पन्न करता है, तो यह निःसंदेह भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाई प्रदान करेगा। किन्तु इस प्रतिष्ठा की कीमत क्या होगी? यह वह कठिन प्रश्न है जिसे अनदेखा करना भारत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। विशाल खेल आयोजनों का सबसे विवादास्पद पहलू उनकी भारी आर्थिक लागत है। सन 2010 के राष्ट्रमंडल खेल अभी तक भारत की प्रशासनिक छवि पर एक दाग की तरह मौजूद है- अत्यधिक खर्च, भ्रष्टाचार, समय पर कार्य न होना और आयोजन स्थल की कमजोर गुणवत्ता ने भारत की छवि को काफी प्रभावित किया था। यदि वर्ष 2030 में फिर ऐसी ही कोई कमी सामने आती है, तो 2036 विश्व-ओलंपिक का सपना लगभग असंभव हो सकता है। इसलिए आर्थिक अनुशासन, पारदर्शिता, बहु-स्तरीय जाँच, और जवाबदेही-व्यवस्था को आज से ही प्राथमिकता देनी होगी।

इस सबके साथ-साथ 2030 का आयोजन भारत के लिए एक प्रयोगशाला भी सिद्ध हो सकता है। यह अवसर होगा- शहरी अधोसंरचना, यातायात प्रबंधन, आपदा-प्रतिक्रिया, हरित ऊर्जा, जल-निकास प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाओं, सार्वजनिक सुरक्षा, और खेल विज्ञान को अंतरराष्ट्रीय मानक पर परखने का। इस स्तर के आयोजनों में क्षण भर की चूक भी बड़ संकट उत्पन्न कर सकती है। इसलिए वर्ष 2030 का आयोजन भारत के लिए पूर्ण स्तर वाला अभ्यास सिद्ध हो सकता है, जिसमें न केवल खेल प्रबंधन बल्कि सम्पूर्ण शासन प्रणाली की परीक्षा होगी। इसके अतिरिक्त, शहरी प्रशासन को सबसे कठिन परीक्षा से गुजरना होगा। कोई भी विशाल खेल आयोजन केवल खेल-स्थल और खिलाड़ियों के निवास-स्थल तक सीमित नहीं रहता। यह पूरे नगर के परिवहन, मार्ग-संरचना, हवाई अड्डों की क्षमता, स्वच्छता प्रणाली, जल प्रबंधन, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था, अस्पतालों की तैयारी, भीड़ नियंत्रण, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग का तनाव परीक्षण बन जाता है। संभावित मेजबान नगर—दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई या किसी बहु-नगर मॉडल—सभी पर भारी तैयारी का दबाव होगा।

यह तैयारी अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए कि इससे नगरों का बुनियादी ढाँचा विश्व-स्तर पर पहुँच सकता है। चुनौती इसलिए कि कहीं ऐसा न हो कि यह निवेश केवल "दिखावे की अधोसंरचना" में बदल जाए, जो आयोजन—उपरांत उपयोगहीन रह जाए। दुनिया में अनेक उदाहरण हैं जहाँ खेल आयोजनों में बनाए गए स्टेडियम और भवन बाद में "मरे हुए ढाँचे" बन गए। भारत में भी यह समस्या पहले देखी जा चुकी है। इसलिए यह अनिवार्य है कि जो भी अवसंरचना बनाई जाए, वह आयोजन के बाद भी जनसाधारण, खेल प्रशिक्षण संस्थानों और नगर-विकास के लिए उपयोगी बनी रहे। भारत को पर्यटन, आतिथ्य, सांस्कृतिक प्रदर्शनों, कला एवं हस्तशिल्प, पारंपरिक संगीत, खानपान और जातीय विविधता जैसे क्षेत्रों में अपार लाभ प्राप्त होने की संभावना है। विश्वभर से लाखों दर्शक और प्रतिनिधि भारत आएँगे, जिससे सेवा क्षेत्र, व्यापार, परिवहन, कृषि-आधारित उपभोग और सूक्ष्म उद्योगों को व्यापक लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त, डिजिटल भारत की अवधारणा—जैसे पूर्णतः डिजिटल प्रवेश-प्रणाली, दूर-संवेदन सुरक्षा व्यवस्था, तेज संचार तंत्र—विश्व के सामने भारत की प्रौद्योगिकी क्षमता का अत्यंत प्रभावशाली प्रदर्शन कर सकती है। फिर भी यह स्वीकार करना पड़ेगा कि विश्व-ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताओं की लागत बहुत भारी होती है। वर्तमान वैश्विक औसत के आधार पर यह लागत अत्यधिक बढ़ जाती है। ऐसे में भारत के लिए यह आवश्यक है कि 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को एक वित्तीय प्रयोगशाला की तरह उपयोग किया जाए, जहाँ सार्वजनिक-निजी सहभागिता, सामाजिक उत्तरदायित्व निधि, पर्यटन आधारित आय, और भागीदारी मॉडल जैसे उपायों की पहले से जाँच हो सके। यह देखा जा सके कि कौन-सा मॉडल भारत की सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप अधिक स्थायी और सफल हो सकता है। परंतु आलोचना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि क्या भारत जैसे विकासशील राष्ट्र को इतने बड़ आयोजनों पर अत्यधिक धन व्यय करना उचित है? क्या यह धन विद्यालयों, स्वास्थ्य सेवाओं, ग्रामीण खेलों, महिला खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल विज्ञान प्रयोगशालाओं और खेल अकादमियों जैसे बुनियादी क्षेत्रों में अधिक प्रभावी रूप से उपयोग नहीं किया जा सकता? यह प्रश्न अत्यंत तर्कसंगत है।

अध्यात्म है अपने भीतर सम्राट होना

अध्यात्म कायरों और निकम्मों के लिए नहीं है। आप अपने जीवन में कुछ और नहीं कर सकते और सोचते हैं कि मैं आध्यात्मिक हो सकता हूं तो यह संभव नहीं। अगर आपके पास इस संसार के किसी भी काम को बेहतर ढंग से करने की क्षमता और हिम्मत है, तब शायद आप आध्यात्मिक हो सकते हैं। आजकल पूरे समाज के मन में यही धारणा है कि सिर्फ निकम्मे और नालायक लोग ही अध्यात्म की तरफ जाते हैं। दरअसल इसकी वजह यह है कि आज तथाकथित आध्यात्मिक लोग ऐसे ही हैं। लेकिन यह अध्यात्म नहीं है। अगर आपको अपनी चेतना के शिखर पर पहुंचना है तो वहां एक निपट भिखारी कभी नहीं पहुंच सकता। भिखारी दो तरह के होते हैं। गौतम बुद्ध व उस स्तर के लोग उच्चतम श्रेणी के भिखारी हैं। दूसरे सभी निपट भिखारी हैं। मैं तो कहूंगा कि एक सड़क का भिखारी और राजगद्दी पर बैठा राजा दोनों ही भिखारी हैं, क्योंकि वे हर वक्त बाहर से कुछ मांग रहे होते हैं। सड़क का भिखारी हो सकता है कि पैसा, भोजन या आश्रय मांग रहा हो, जबकि राजा हो सकता है कि किसी दूसरे राज्य पर जीत या सुख जैसी बेकार की चीजें मांग रहा हो। वास्तव में हर इंसान किसी-न-किसी चीज की भीख मांग रहा है। बुद्ध ने केवल अपने भोजन के लिए भिक्षा मांगी, बाकी चीजों के लिए वे आत्मनिर्भर थे, जबकि दूसरे सभी लोग भोजन को छोड़ बाकी सभी चीजों के लिए भीख मांगते हैं। आध्यात्मिक होने का अर्थ है- अपने भीतर सम्राट होना। कोई व्यक्ति अपनी पूरी चेतना में क्या किसी ऐसे जीवन का चुनाव करेगा, जहां उसे कोई चीज किसी और से मांगनी पड़े? आपके भीतर सभी चीजें मौजूद हैं, आपको इन्हें बाहर नहीं खोजना। यहां तक कि किसी के संग-साथ की भी आपको जरूरत नहीं है। हां, अगर दूसरे इंसान को इसकी जरूरत है तो आप उसे साथ दे सकते हैं। इसका मतलब है कि अब आप भीतर से भिखारी नहीं रह गए हैं। हो सकता है कि केवल बाहरी चीजों के लिए आपको बाहर संसार में जाना पड़े। यही परम मुक्ति है। अगर आप शिव से मिलना चाहते हैं तो बेहतर होगा कि उनकी शर्तों पर मिला जाए। वे एक निपट भिखारी से मिलने नहीं आने वाले। आप या तो उनसे उनकी शर्तों पर मिलें या बस विसर्जित हो जाएं। बस यही दो रास्ते हैं। यही ज्ञान-मार्ग और भक्ति-मार्ग का मतलब है। देखने में प्रेम या भक्ति का मार्ग बहुत आसान लगता है।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1825 - भाप से चलने वाला पहला जहाज 'इंटरप्राइज' कोलकाता पहुंचा।

1856 - देश में पहली बार आधिकारिक रूप से 'हिंदू विधवा' का विवाह कराया गया।

1941 - जापानी विमानों ने हवाई स्थित पर्ल हार्बर में अमेरिकी बेड़े पर हमला किया जिसमें 2043 लोग मारे गये।

1944 - जनरल रादेस्कू ने रोमानिया में सरकार का गठन किया।

1983 - मैड्रिड एयरपोर्ट पर दो जेट विमानों के आपस में टकराने से 93 की मौत।

1988 - अर्मेनिया में 6.9 तीव्रता वाले भूकंप से 25 हजार लोगों की मौत, लाखों बेघर।

1970 - पश्चिम जर्मनी और पोलैंड के बीच संबंध सामान्य हुए।

1972 - अमेरिका ने चंद्रमा के लिये अपने अभियान के तहत अपोलो 17 का प्रक्षेपण किया।

1995 - भारत ने संचार उपग्रह इनसेट-2सी का प्रक्षेपण किया।

1996- नासा ने मंगल ग्रह का लंबे समय तक अध्ययन करने के लिए रोबोटिक अंतरिक्ष यान मार्स ग्लोबल सर्वेयर को अंतरिक्ष में भेजा।

1998- दुनिया के सबसे बुजुर्ग अंतरिक्ष यात्री अमेरिका के सीनेटर जॉन ग्लेन अपनी ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा कर धरती पर वापस लौटे। अधिक उम्र में अंतरिक्ष यात्रा के शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव का पता लगाने के लिए उन्हें 77 वर्ष की आयु में नासा द्वारा अंतरिक्ष में भेजा गया था।

2001 - कंधार में तालिबान ने हथियार डाले, विक्रमसिंघे श्रीलंका के नये प्रधानमंत्री नियुक्त।

2002 - तुर्की की आजरा अनिन मिस वर्ल्ड 2002 बनीं।

2002 - कश्मीर में अलगाववादी हिंसा में आठ मुस्लिम विद्रोहियों सहित 14 लोग मारे गए।

2003 - रमन सिंह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री पद पर आसीन।

2004 - हामिद करजई ने अफ़ग़ानिस्तान के पहले निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण की।

2007 - यूरोप की कोलम्बर प्रयोगशाल को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचाने वाली अटलांटिस की बहुप्रतीक्षित उड़ान तकनीकि कारणों से स्थगित।

ढलान पर दोस्ती, संजोने की जरूरत है !

गिरीश्वर मिश्र

समकालीन ज़िन्दगी में निरंतर बढ़ती वैयक्तिकता के दौर में अतिव्यस्त होता हुआ आज आदमी अपने ही अंदर सिकुड़ता चला जा रहा है। रिश्तों की उपेक्षा और उनका हाशियाकरण जिस तेजी से हो रहा है वह उस समाज के ताने-बाने को झटका देने वाला साबित हो रहा है जिसमें साथ चलने, साथ बोलने, मन के मिलने और साझे में विचरने पर जोर दिया जाता था। हमारी प्रार्थना ही थी- संगच्छध्वम्संवदध्वम् संवदध्वम् संवो मनांसि जानताम्। अब यह वैश्विक स्तर पर एक विशेष चिंता पैदा करने वाली बात होती जा रही है कि आज की दुनिया के छोटे-बड़, विकसित-कम विकसित लगभग हर तरह के देशों में आम जनों में मित्रता की प्रवृत्ति में बड़ी तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है। अब लोगों को ऐसे क़रीबी दोस्त नहीं मिलते जिन पर भरोसा किया जा सके। सिमटते-सिकुड़ते रिश्तों के दौर में ऐसे मीत और साथी नहीं मिल रहे जिनके साथ खुल कर दुख-दर्द बांटा जा सके, मन हल्का किया जा सके और मौक़ा पड़ने पर पुकारा जा सके।

मित्रता स्वभाव से सहयोगी हुआ करती थी और एक मित्र दूसरे की उन्नति की कामना करता था। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के वर्तमान दौर में मित्रता की जगह लोगों में अपनी निजी सामर्थ्य, शक्ति और समृद्धि को अधिकाधिक पर्याप्त बनाने और उसमें सुख ढूँढने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। थोड़े समय तक तो जीने का यह तरीका सही और ठीक लगता है पर ज़िन्दगी की लंबी दौड़ में थोड़े दिनों में ही इसकी पोल खुलने लगती है। आत्मरति की मृग-मरीचिका कदापि अंतहीन नहीं होती है और उसका तिलस्म टूटने पर आदमी को आगे कोई राह नहीं सूझती है।

अब शहरी इलाकों में लोगों को अपने परिचित लोगों की संख्या देखें तो लगता है वह खूब बढ़ रही है। मोबाइल पर 'कांटैक्ट' तो निरंतर बढ़ते रहते हैं। यानी हम जिन लोगों के संपर्क में रहते हैं उनकी तादाद बढ़ती जा रही है। परंतु उनमें से ज्यादातर ऐसे ही होते हैं जिनके साथ क्षणिक रिश्ता होता है। गहरी, टिकाऊ और सच्ची दोस्ती जो ज़िन्दगी में मददगार होती है कम होती जा रही है। कभी लोग विभिन्न आयोजनों और क्लब या होटल आदि में भी परिचित लोगों से भी लोग ख़ुशी से मिलते-जुलते थे पर अब हालात ये हो रहे हैं कि भीड़ में भी लोग अलग-थलग और अकेले ही रहते हैं। अब लोग अकेले ही खाना-पीना पसंद करते हैं। मित्रता के अभाव में ज़िन्दगी अंदर से खोखली और सतह पर भरी-पूरी दिखती है। स्थिति इतनी नाजुक हो रही है कि दोस्ती अब सिर्फ एक सामाजिक मुद्दा नहीं रहा। वह एक विकट सांस्कृतिक समस्या का रूप ले रहा है। सच्ची बात तो यह है कि दोस्ती के लिए समय निकालना अब विलासिता नहीं बल्कि एक ख़ास ज़रूरत हो चुकी है। आज की कटु सच्चाई है कि अकेलापन एक लत बनता जा रहा है। अगर हम दोस्ती की कद्र नहीं करेंगे और उसमें निवेश नहीं करेंगे तो हम न सिर्फ़ नए दोस्त बना सकेंगे, बल्कि पुराने रिश्ते भी खो देंगे। अनेक शोध अध्ययन यह दिखाते हैं कि अकेलेपन से कई बीमारियां और अस्वास्थ्यकर स्थितियां पैदा हो रही हैं। वे हृदय रोग और अवसाद को बढ़ाती हैं। उनसे आदमी की असमय मृत्यु का जोखिम भी बढ़ जाता है। मित्रता मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए एक आधारभूत आवश्यकता है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के एक 80-वर्षों से चल रहे एक दीर्घकालिक अनुसंधान को मानें तो आदमी के लिए सच्ची खुशी और स्वास्थ्य के बीच बड़ा घनिष्ठ संबंध है। जिंदगी की सच्चाई यही है कि रुपया-पैसा कमाया जा सकता है, रुतबा भी बदला जा सकता है लेकिन सच्चा दोस्त ही अकेला ऐसा होता है जो परिवार का रक्त संबंधी न होते हुए भी जीवन की हर परिस्थिति और चुनौती में आपके साथ चट्टान की तरह अटल खड़ा होता है। दोस्ती सचमुच ही एक ऐसा धन या खजाना है जो कभी चुकता या खत्म नहीं होता।

इसलिए सिर्फ़ जान-पहचान से संतुष्ट न हों- दोस्त बनायें और दोस्तों को आवश्यक प्रतिष्ठा और इज़्ज़त दें । अच्छे दोस्त ही हमारे असली धन होते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम सब दोस्ती को बढ़ावा दें, उसके लिए समय निकालें, लोगों को क्षमा करने की आदत डालें और रिश्तों की यादें बनाएं। दोस्ती एक अवसर है जिसको बनाना बिगाड़ना हमारे ही हाथ में होता है। सच्चे दोस्तों के संग हमारी ज़िंदगी निश्चय ही खूबसूरत हो उठती है। आइए जिंदगी में दोस्ती को जगह दें। दोस्ती से जिंदगी को संवारा जा सकेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

विकसित भारत की राह बाबासाहेब के विचारों से प्रेरितः मोदी

महापरिनिर्वाण दिवस पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित देश ने बाबासाहेब अंबेडकर को किया नमन

नई दिल्ली। बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर संसद परिसर में शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के साथ कई सांसद भी उपस्थित रहे, जिन्होंने संविधान निर्माता के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन की मौजूदगी ने इस कार्यक्रम को और भी गरिमामय बना दिया।

संसद परिसर में आयोजित इस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सहित अनेक सांसद और अन्य ने भाग लिया। सभी अतिथियों ने सत्र के दौरान डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें स्मरण किया।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि महापरिनिर्वाण दिवस पर भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। अंबेडकर हमारे संविधान के प्रमुख वास्तुकार और सामाजिक न्याय के एक महान समर्थक थे। समानता, गरिमा और भाईचारे के लिए उनके अथक संघर्ष ने आधुनिक, प्रगतिशील और समावेशी भारत की नींव रखी। उनके दूरदर्शी विचार एक न्यायपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण समाज की दिशा में राष्ट्रीय यात्रा का मार्गदर्शन करते रहेंगे। बाबासाहेब की स्थायी विरासत पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बीआर अंबेडकर को याद करते हुए हुए कहा कि उनका दूरदर्शी नेतृत्व और न्याय, समानता और संवैधानिकता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हमारी राष्ट्रीय यात्रा का मार्गदर्शन करती रहेगी। उन्होंने पीढ़ियों को मानवीय गरिमा बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। जब हम एक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में काम कर रहे हैं तो उनके आदर्श हमारे मार्ग को रोशन करते रहें।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने डॉ. बीआर अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सामाजिक समरसता के उद्घोषक, समानता एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रतिमूर्ति, भारतीय संविधान के शिल्पकार, 'भारत रत्न' बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि बाबासाहेब भारतीय संविधान के शिल्पकार होने के साथ-साथ सामाजिक समरसता के अमर पुरोधा थे, जिन्होंने शोषितों और वंचितों के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि संविधान शिल्पी, सामाजिक न्याय के पुरोधा, भारत रत्न, श्रद्धेय बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उनके चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। बाबा साहेब का संपूर्ण जीवन समतामूलक समाज की स्थापना और लोक कल्याण के लिए समर्पित रहा। राष्ट्र निर्माण में आपके अभूतपूर्व योगदान के लिए यह देश सदैव ऋणी रहेगा। बाबा साहेब की शिक्षाओं को आत्मसात कर उनके सपनों के भारत के निर्माण के लिए हम सब कटिबद्ध हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि डॉ. बीआर अंबेडकर का दूरदर्शी नेतृत्व और न्याय, समानता एवं संवैधानिकता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता हमारी राष्ट्रीय यात्रा का मार्गदर्शन करती रहेगी। जब हम विकसित भारत के निर्माण में जुटे हैं, तब उनके आदर्श हमारे पथ को निरंतर रोशन करते रहें।

राहुल गांधी ने बाबा साहब अम्बेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि समानता, न्याय और मानवीय गरिमा की उनकी शाश्वत विरासत संविधान की रक्षा के मेरे संकल्प को मजबूत करती है और अधिक समावेशी, दयालु भारत के लिए हमारे सामूहिक संघर्ष को प्रेरित करती है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सामाजिक न्याय के अग्रदूत, संविधान निर्माता, 'भारत रत्न' बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी और कहा कि बाबा साहब के विचार, सिद्धांत और दूरदृष्टि भारतीय लोकतंत्र की नींव हैं। समाज में व्याप्त विषमता, अन्याय और भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष करते हुए समानता, स्वतंत्रता और बंधुता पर आधारित समाज के निर्माण का जो सपना बाबा साहब ने देखा था, वह आज भी हम सभी के लिए पथप्रदर्शक है।

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शासकीय आवास पर भारत के संविधान निर्माता, 'भारत रत्न' बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने जीवनपर्यंत शिक्षा, समानता और स्वाभिमान की ज्योति प्रज्वलित रखी। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू कर सामाजिक समरसता और न्याय के उनके सपने को साकार करने की दिशा में हमने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि न्याय, समता और सामाजिक उत्थान के जिन अमूल्य सिद्धांतों पर आधुनिक भारत की नींव रखी गई, उनके केंद्र में बाबा साहब का अद्वितीय योगदान सदैव अमर रहेगा। उन्होंने वंचितों, शोषितों और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को अधिकार, सम्मान और अवसर दिलाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया। बाबा साहब के सपनों का समतामूलक, सशक्त और समावेशी समाज बनाने के लिए दिल्ली सरकार प्रतिबद्ध रूप से कार्य कर रही है।

आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस कहा कि उन्होंने हमें समता, न्याय और संविधान का मार्ग दिया जो आज भी हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। बाबा साहेब के सपनों का भारत वही होगा जहाँ हर नागरिक को बराबरी, सम्मान और अवसर मिले। उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। उल्लेखनीय है कि 14 अप्रैल, 1891 को महू (मध्यप्रदेश) में जन्मे अंबेडकर ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ाई की और डॉक्टरेट हासिल की। डॉ. अंबेडकर का निधन 6 दिसंबर, 1956 को हुआ था। इसी दिन को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

तमिलनाडुः रामनाथपुरम के पास दो कारों की टक्कर, 5 लोगों की मौत

रामनाथपुरम। सड़क किनारे खड़े अयप्प भक्तों की कार से तेज रफ्तार से आ रही दूसरी कार टकराने से 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में घायल 7 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम क्षेत्र के 5 अयप्प भक्त कार में रामेश्वरम जा रहे थे। आज सुबह वे रैमनाथपुरम जिले के समुद्र तटीय सड़क कुम्बिडुमदुरई के पास सड़क किनारे अपनी कार खड़ी कर रहे थे कि तेज रफ्तार से आ रही डीएमके नगर मंडल अध्यक्ष की कार ने सड़क किनारे खड़ी आंध्र प्रदेश के पंजीकरण नंबर वाली कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार में सवार 5 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने घायल 7 लोगों को रामनाथपुरम सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया।

नेशनल हेराल्ड केसः ईडी ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को फिर भेजा नोटिस

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को एक बार फिर नोटिस जारी किया है। डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को इसकी जानकारी और इसे राजनीति से प्रेरित बताया। डी.के. शिवकुमार ने मीडिया से बातचीत में कहा कि नेशनल हेराल्ड और यंग इंडिया संगठन कांग्रेस पार्टी के अधीन कार्यरत हैं। पार्टी के कठिन समय में कांग्रेस नेताओं ने ट्रस्टों के माध्यम से इन संस्थानों की आर्थिक सहायता की थी। शिवकुमार ने बताया कि ईडी से नोटिस मिलने के बाद सभी आवश्यक दस्तावेज और जानकारी उपलब्ध करा दी गई हैं, साथ ही चार्जशीट भी दाखिल हो चुकी है। अब दिल्ली पुलिस ने उन्हें 19 दिसंबर तक उपस्थित होकर जानकारी देने को कहा है। उन्होंने पूरे मामले को राजनीतिक दबाव और उत्पीड़न बताकर इसकी निंदा की। साथ ही कहा कि वे इस मामले से कानूनी तरीके से निपटेंगे।

महाराष्ट्रः कार-ट्रक की टक्कर में गोवा के दो पर्यटकों की मौत

पुणे। महाराष्ट्र के लोनावला हिल स्टेशन पर शनिवार तड़के एक कार और मिनी ट्रक के बीच हुई टक्कर में गोवा के दो पर्यटकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों पर्यटक गोवा से आए 14 लोगों के एक समूह का हिस्सा थे, जो पिकनिक मनाने पुणे जिले के लोनावला पहुंचे थे। पुलिस के मुताबिक, दोनों पर्यटकों को ले जा रही तेज रफ्तार कार हिल स्टेशन के लायन्स पॉइंट के पास सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। लोनावला ग्रामीण थाने के एक अधिकारी ने बताया, "यह दुर्घटना शनिवार तड़के हुई।

इंडिगो की देशव्यापी अव्यवस्था से मप्र में भी हवाई यातायात पर भारी असर

इंदौर में एक दिन में 51 फ्लाइटें रद्द, चार दिन में 65 से ज्यादा उड़ानें निरस्त, हजारों यात्री फंसे

भोपाल। मध्य प्रदेश के हवाई यात्रियों के लिए पिछले चार से पाँच दिन अभूतपूर्व संकट लेकर आए हैं। देश की सबसे बड़ी निजी एयरलाइंस इंडिगो में क्रू मेंबर्स की भारी कमी के कारण राष्ट्रीय स्तर पर उड़ान संचालन प्रभावित हुआ है, जिसके असर से प्रदेश के तीन प्रमुख शहरों इंदौर, भोपाल और जबलपुर में हवाई सेवाएँ लगभग ठप होकर रह गई हैं। चार दिनों में 65 से अधिक उड़ानें रद्द हो गईं, लेकिन शुक्रवार को जो हुआ वह इंदौर के हवाई इतिहास में पहली बार दर्ज हुआ। दरअसल, शुक्रवार का दिन इंदौर एयरपोर्ट पर अव्यवस्था, हड़कंप और अफरातफरी से भरा रहा। इंडिगो ने एक ही दिन में आने–जाने वाली 51 फ्लाइटें रद्द कर दीं जोकि शहर में रोजाना संचालित कुल उड़ानों का लगभग आधा हिस्सा है। यह स्थिति इतनी भीषण थी कि हवाई अड्डे के कर्मचारियों ने भी स्वीकार किया कि उन्होंने अपने करियर में ऐसा संकट कभी नहीं देखा। सुबह से रात तक एयरपोर्ट

यात्रियों से खचाखच भरा रहा। कुछ अपनी उड़ान का इंतजार करते-करते थक गए, कुछ लगातार दूसरी या तीसरी बार फ्लाइट रद्द होने की मार झेलते दिखे तो कई ऐसे भी थे जो दो-दो दिनों से इंदौर में फंसे हुए हैं और वापस नहीं लौट पा रहे। कई यात्री ऐसे शहरों में अटके पड़े हैं जहां उन्हें केवल ट्रांजिट के लिए उतरना था। शनिवार सुबह 9 बजे तक इंडिगो ने अपनी आठ और उड़ानें रद्द कर दीं। एयरपोर्ट अधिकारियों को आशंका है कि यदि हालात नहीं सुधरे, तो शनिवार को भी रद्द उड़ानों का आंकड़ा 50 के करीब पहुँच सकता है। यात्रियों के लिए यह अनिश्चितता सबसे ज्यादा तकलीफदेह साबित हो रही है, क्योंकि एयरलाइन की ओर से समय पर स्पष्ट अपडेट नहीं मिल पा रहा। अधिकारिक तौर पर देखें तो पिछले चार दिनों से लगातार फ्लाइट्स रद्द हो रही हैं, जिससे हजारों यात्रियों की यात्रा योजनाएँ ध्वस्त हो चुकी हैं। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद, कोलकाता, चंडीगढ़, गोवा, रायपुर, नागपुर, जयपुर, अहमदाबाद और जम्मू जैसे महत्वपूर्ण रूट इसकी चपेट में रहे।

पूरे देश में पिछले चार दिनों में 500 से अधिक उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। उड़ानों के बड़े हिस्से के इंडिगो पर निर्भर होने के कारण मध्य प्रदेश सबसे प्रभावित राज्यों में शामिल है। एक यात्री ने नाराजगी जताते हुए कहा, "दो दिन से बच्चों के साथ एयरपोर्ट पर बैठे हैं। हर दो घंटे में मैसेज आता है फ्लाइट रद्द। यह कैसी सर्विस है?"सोशल मीडिया पर यात्रियों का गुस्सा लगातार बढ़ रहा है और #IndigoCancelFlights पूरे देश में ट्रेंड कर रहा है।

परीक्षा पे चर्चा का 9वां संस्करण जनवरी में होगा आयोजित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से संवाद का प्रमुख कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' (पीपीसी) अपने 9वें संस्करण के साथ जनवरी 2026 में आयोजित किया जाएगा। परीक्षा से जुड़ी चिंताओं, सकारात्मक तैयारी और परीक्षा को उत्सव की तरह मनाने की सोच पर आधारित इस अनूठे कार्यक्रम में देश–विदेश के प्रतिभागी प्रधानमंत्री से संवाद करते हैं। शिक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि कार्यक्रम के प्रतिभागियों के चयन के लिए एक ऑनलाइन एमसीक्यू आधारित प्रतियोगिता माईगव पोर्टल पर एक दिसंबर 2025 से 11 जनवरी 2026 तक आयोजित की जा रही है। कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। पंजीकरण पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को माईगव की ओर से सहभागिता प्रमाणपत्र दिया जाएगा। परीक्षा पे चर्चा का 8वां संस्करण 10 फरवरी 2025 को प्रसारित हुआ था, जो नई दिल्ली के सुंदर नर्सरी में एक नवाचारपूर्ण स्वरूप में आयोजित किया गया था। इसमें देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 36 प्रतिनिधि छात्रों ने हिस्सा लिया था। सरकारी स्कूलों, केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, सैनिक स्कूलों, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों और सीबीएसई स्कूलों के विद्यार्थी इसमें शामिल हुए थे। प्रेरणा एलुमनाई, कला उत्सव और वीर गाथा के विजेता भी इस कार्यक्रम का हिस्सा रहे। इसके साथ ही मानसिक स्वास्थ्य, खेल एवं अनुशासन, पोषण, तकनीक, वित्त, रचनात्मकता और सकारात्मकता जैसे विषयों पर सात अलग-अलग एपिसोड भी प्रस्तुत किए गए थे।

वर्ष 2025 में परीक्षा पे चर्चा ने अभूतपूर्व उपलब्धि दर्ज करते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इसमें 245 से अधिक देशों के विद्यार्थियों, 153 देशों के शिक्षकों और 149 देशों के अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का विस्तार लगातार बढ़ा है- 2018 में पहले संस्करण में जहां केवल 22 हजार प्रतिभागी थे, वहीं 2025 के 8वें संस्करण में यह संख्या बढ़कर 3.56 करोड़ पंजीकरण तक पहुंच गई। इसके अतिरिक्त पीपीसी 2025 से जुड़े जन आंदोलन में 1.55 करोड़ लोगों की भागीदारी रही, जिससे कुल सहभागिता लगभग पांच करोड़ तक पहुंची।

कांग्रेस सांसद सेंथिल ने इंडिगो उड़ान संकट को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस सांसद शशिकांत सेंथिल ने देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो के उड़ान संकट को लेकर केंद्र सरकार पर मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लोग अपने सामानों के साथ हवाई अड्डों पर जूझ रहे हैं लेकिन देश में किसी भी जिम्मेदार को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। कोई भी यात्रियों की मदद करने को तैयार नहीं है। सरकार बताए कि इंडिगो बाजार में 60 से 65 फीसदी हिस्सेदारी के साथ एकाधिकार वाली विमानन कंपनी कैसे बन गई?

सांसद सेंथिल ने यहां कांग्रेस मुख्यालय में शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि लोगों को घंटों एयरपोर्ट पर बिना भोजन-पानी के इंतजार करना पड़ रहा है, बुजुर्गों व बच्चों के

लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं है। कई यात्री परीक्षाओं, जरूरी कार्यक्रमों और पारिवारिक आपात स्थितियों में शामिल नहीं हो पाए। देश में पिछले 4-5 दिन हवाई यात्रा इतिहास के सबसे बुरे दिन रहे हैं। कल एक हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं, आज भी 600 से अधिक उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। लाखों यात्री फंसे हुए हैं और किसी जिम्मेदार को कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि जनवरी-मार्च 2024 के लिए बदले गए डीजीसीए के नए नियमों पर कार्रवाई पहले क्यों नहीं की। सरकार एयरलाइंस के एकाधिकार को बढ़ावा दे रही है। इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 60-65 फीसदी कैसे पहुंच गई? वह एकाधिकार वाली एयरलाइन कैसे बन गई? सरकार जवाब दे।

उधर, नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि नए उड़ान ड्यूटी समय सीमा नियम 1 नवंबर से लागू हैं, लेकिन किसी अन्य एयरलाइन को परेशानी नहीं आई। इससे स्पष्ट है कि समस्या इंडिगो की ओर से है। इंडिगो की लापरवाही की जांच होगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बंगालः मुर्शिदाबाद में मस्जिद को लेकर भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच वाकयुद्ध छिड़ा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 'बाबरी मस्जिद' की तर्ज पर एक मस्जिद की नींव रखने की विधायक हुमायूं कबीर की योजना को लेकर शनिवार को राजनीतिक घमासान मच गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर ध्रुवीकरण करने का आरोप लगाया जबकि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी ने इस आरोप को निराधार बताकर खारिज कर दिया। टीएमसी ने कबीर को पार्टी से निलंबित कर दिया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राजनीतिक लाभ के वास्ते मुसलमानों का ध्रुवीकरण करने के लिए विधायक का इस्तेमाल कर रही हैं और बेलडांगा से आई खबरों ने 'गंभीर चिंता' पैदा कर दी है। उन्होंने दावा किया कि कबीर के समर्थक कथित "बाबरी मस्जिद" के निर्माण के लिए ईंट ले जाते दिखे और विधायक ने दावा किया है कि उन्हें पुलिस का समर्थन प्राप्त है। मालवीय ने बेलडांगा को राज्य के सबसे सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में से एक बताते हुए चेतावनी दी कि कोई भी अशांति राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को बाधित कर सकती है, जो उत्तर बंगाल को दक्षिण बंगाल से जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। उन्होंने कहा कि इसका "कानून-व्यवस्था के साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर परिणाम" होगा। भाजपा नेता ने आरोप लगाया, "यह तथाकथित मस्जिद परियोजना कोई धार्मिक प्रयास नहीं बल्कि एक राजनीतिक प्रयास है, जिसका उद्देश्य भावनाओं को भड़काना और वोट बैंक को मजबूत करना है। इसका उद्देश्य समुदाय की सेवा नहीं बल्कि यह पश्चिम बंगाल की स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा है, जिससे तनाव बढ़ने और राज्य के सामाजिक ताने-बाने के बिखरने का खतरा है।" उन्होंने कहा, "लेकिन ममता बनर्जी रुकेंगी नहीं, भले ही पश्चिम बंगाल में उथल-पुथल की स्थिति क्यों ना उत्पन्न ना हो जाए।" कबीर को इस सप्ताह की शुरुआत में विवादास्पद परियोजना के कारण टीएमसी से निलंबित कर दिया गया था। हुमायूं कबीर ने शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजीनगर में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद का शिलान्यास किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने इस घटनाक्रम को 'वोट बैंक की राजनीति' करार देते हुए आरोप लगाया कि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी अगले साल की शुरुआत में होने वाले संभावित विधानसभा चुनाव से पहले सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने की कोशिश कर रही है। घोष ने आरोप लगाया, "तृणमूल कांग्रेस हुमायूं कबीर का इस्तेमाल चुनाव से पहले तनाव पैदा करने के लिए कर रही है।"

बाबा साहेब की मूर्ति के किनारे बनाए जाएंगे बाउंड्रीवाल व लगाए जाएंगे छत्र : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर शनिवार को बड़ी घोषणा की। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर महासभा ट्रस्ट की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि प्रायः कुछ शरारती तत्व मूर्तियों को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास करते हैं, इसलिए उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार महत्वपूर्ण निर्णय लेने जा रही है कि जहां भी बाबा साहेब की मूर्तियां लगी हैं, वहां बाउंड्रीवाल बनाकर उन मूर्तियों की सुरक्षा की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही मूर्तियों पर छत्र भी लगाया जाएगा, जिससे बाबा साहेब की मूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। सीएम योगी ने डॉ. निर्मल के उस वक्तव्य का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा कि चतुर्थ श्रेणी, संविदा, सफाई कर्मचारियों को उचित मानदेय मिले।

सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने कॉरपोरेशन का गठन किया है। अगले एक-दो महीने के अंदर ही सरकार चतुर्थ श्रेणी, संविदा, सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय देने की गारंटी उपलब्ध कराएगी। जीरो पॉवर्टी अभियान भी उसी का हिस्सा है। अभी भी जो वंचित हैं और सुविधा का लाभ नहीं पा सके, उनके लिए कार्य हो रहे हैं। अनुसूचित जाति-जनजाति, अतिपिछड़ी के गरीबों को चिह्नित करने का कार्य लगभग फाइनल हो गया है। किसी के राशन, पेंशन कार्ड बन रहे तो किसी को अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। जिसके पास आवास, आयुष्मान कार्ड नहीं होगा, उन्हें आवास व पांच लाख रुपये के

आयुष्मान की सुविधा भी दिलाएंगे। कोई भी गरीब-वंचित अभावग्रस्त नहीं रहेगा। डबल इंजन सरकार उसे सभी सुविधाओं से संपन्न कराने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमें संविधान और बाबा साहेब पर गौरव की अनुभूति होती है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने उस समय भी खतरों से जागरूक किया था। कांग्रेस के बड़े नेता का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने 1923 में वंदे मातरम गाने से इंकार कर दिया था। जब उनका अंतिम समय आया तो उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि येरूशलम में मरूं। तब बाबा साहेब ने टिप्पणी की थी कि जो व्यक्ति भारत में पैदा होकर यहां की सुविधा का उपभोग करके भी भारत की धरती को पवित्र न मानता हो, उसका वक्तव्य कभी भी भारतवासियों के हित में नहीं हो सकता। तुष्टिकरण की नीति पर चलने वाले दल न केवल भारत का अहित कर रहे हैं, बल्कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का भी अपमान कर रहे हैं और देशवासियों को उनकी सुविधाओं से वंचित करने की कुत्सित चेष्टा भी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन सभी के लिए प्रेरणा दिवस है। बाबा साहेब ने जमीन से आसमान की ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए परिश्रम किया।

वे चुनौतियों से जूझे, कठिनाइयों का सामना किया और सामाजिक भेदभाव के रुढ़िगत विषमताओं से जकड़े समाज से उबरकर कोटि- कोटि वंचितों, दलितों, अतिपिछड़ों को सम्मानजनक जीवन देने के लिए अवसर उपलब्ध कराया। महापरिनिर्वाण दिवस उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का समारोह है। सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहेब के शिक्षाओं से प्रेरित होकर पीएम मोदी के नेतृत्व मे देश के अंदर अभियान चल रहे हैं। बाबा साहेब ने जब भारत का संविधान बनाया तो संविधान शिल्पी के रूप में अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया। उसकी प्रस्तावना में तीन महत्वपूर्ण शब्द (न्याय, समता और बंधुता) रखे थे। पीएम मोदी ने सबका साथ, सबके विकास के भाव के साथ बिना भेदभाव हर वंचित, दलित, गरीब, पिछड़े, महिला, युवा को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया। गरीब को राशन, वंचित को मकान, हर गरीब के घर शौचालय निर्माण, स्वास्थ्य की बेहतरीन सुविधा प्राप्त हो सके। जहां घर है, घरौनी के माध्यम से वहां का मालिकाना हक उपलब्ध कराना भी न्याय, समता व बंधुता का हिस्सा है। समाज की मुख्य धारा के साथ जोड़ने के लिए ऐसे अभियान चलाए गए। सीएम योगी ने कहा कि जो भी सुविधा व संपन्नता आज प्राप्त हो रही है, वह बाबा साहेब की प्रेरणा से हो रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत महापुरुषों पर गौरव की अनुभूति के साथ ही उनका सम्मान करता है।

पंचतीर्थ निर्माण, अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ी, दलित के छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति समेत अन्य सुविधाएं भी उसी क्रम का हिस्सा है। सीएम ने कहा कि हर मलिन, दलित, अनुसूचित जाति- जनजाति बस्तियों को कनेक्टिविटी के साथ जोड़ने की कार्रवाई कर रहे हैं। फिर भी कहीं कुछ बचा है तो उसे पूरी तरह कनेक्टिविटी से जोड़ेंगे। सीएम ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन दर्शन नई प्रेरणा देता है। उन्होंने हर गरीब, दलित, वंचित नागरिकों को आश्वस्त किया कि बाबा साहेब की प्रेरणा से प्रेरित होकर समाज व राष्ट्र को सशक्त बनाने, भारत के संविधान के गौरव को पुनर्स्थापित करने की दिशा में डबल इंजन सरकार प्रयत्नशील होकर कार्य करेगी।

प्रदेश में दिसंबर और जनवरी में आयोजित होगी सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लोक सेवा आयोग द्वारासहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक) भर्ती परीक्षा दिसंबर और जनवरी माह में आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा के माध्यम से 15 विषयों में कुल 7,466 पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के तहत परीक्षा को पूरी तरह नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराने की व्यापक तैयारी की गई है। इसमें कहा कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिन जनपदों में परीक्षा केंद्र हैं, वहां के जिलाधिकारी स्वयं व्यक्तिगत रूप से व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे। बयान में कहा गया, ''परीक्षा के सफल आयोजन के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रवेश के समय बायोमेट्रिक सत्यापन, कड़ी जांच, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी और एसटीएफ की निगरानी टीमों की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी।'' इसमें कहा कि प्रश्नपत्रों की गोपनीयता बनाए रखने के लिए रंग और कोड आधारित एसएमएस प्रणाली लागू की जाएगी।

ट्रेजरी से गोपनीय सामग्री की निकासी और परीक्षा केंद्रों तक सुरक्षित पहुंच सेक्टर मजिस्ट्रेट द्वारा निर्धारित समय पर सुनिश्चित की जाएगी। बयान में कहा गया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर साफ पेयजल, शौचालय, पर्याप्त प्रकाश, बैठने की समुचित व्यवस्था सहित अन्य सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

बाबा साहेब के बनाए संविधान को कमजोर करने की साजिश रच रही भाजपा : अजय राय

बरेली। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर शनिवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय जनपद पहुंचे। यहां पर उन्होंने कोतवाली स्थित अंबेडकर पार्क में बाबा साहेब की प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर नमन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। पत्रकारों से बातचीत में अजय राय ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा बाबा साहब द्वारा बनाए गए संविधान को कमजोर करने की साजिश रच रही हैं, लेकिन कांग्रेस इसका डटकर मुकाबला करेगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने एसआईआर कार्यों में हो रही जल्दबाजी पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और सरकार के दबाव में काम कर रहे कर्मचारियों की मौत हो रही है, लेकिन दोनों ही मौन साधे हुए हैं। राय ने एसआईआर ड्यूटी के दौरान दिवंगत हुए सहायक अध्यापक सर्वेश कुमार गंगवार और एमबी इंटर कॉलेज के शिक्षक अजय अग्रवाल के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना प्रकट की है।

थाना प्रभारी ने स्वयं को गोली मारी, इलाज के दौरान मौत

जालौन। जिले के थाना कुठौंद के प्रभारी निरीक्षक ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से कथित तौर पर स्वयं को गोली मार ली जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि थाना प्रभारी को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

]पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार ने बताया शुक्रवार की रात्रि लगभग लगभग 9:30 बजे कुठौंद थाने के प्रभारी निरीक्ष अजय कुमार राय ने थाना परिसर के अपने आवास पर सरकारी रिवाल्वर से कथित रूप से स्वयं को गोली मार ली जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि गोली की आवाज सुनकर थाने के अन्य सिपाही और कर्मचारी प्रभारी निरीक्षक के आवास पर पहुंचे और पाया कि निरीक्षक अजय कुमार

राय खून से लथपथ पड़े हैं। तत्काल उनको स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती करवाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज उरई के लिए रेफर कर दिया।

पुलिस अधीक्षक के मुताबिक मेडिकल कॉलेज उरई में इलाज के दौरान रात लगभग 11:30 बजे प्रभारी निरीक्षक की मृत्यु हो गई। पुलिस अधीक्षक कुमार ने बताया प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि जांच के उपरांत ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा। उन्होंने बताया कि अजय कुमार राय मूल रूप से संत कबीर नगर जनपद के निवासी थे। उनकी मृत्यु की सूचना उनके परिजनों को दे दी गई है।

वह 2023 में निरीक्षक के पद के लिए प्रोन्नत किये गये थे। घटना की सूचना पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे, पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा सहित अन्य पुलिस अधिकारी मेडिकल कॉलेज पहुंचे।

नशे के कारोबार में शामिल दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले : रीता बहुगुणा जोशी

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में पूर्व मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता रीता बहुगुणा जोशी ने शनिवार को जौनपुर में खेलकूद एवं युवा राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव के पैतृक आवास पर उनके पिता के निधन पर शोक व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने परिजनों से मुलाकात की और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कई मुद्दों पर अपनी राय रखी। रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के एक टीएमसी विधायक द्वारा बाबरी मस्जिद विध्वंस दिवस पर नई बाबरी मस्जिद की नींव रखने के प्रयास पर उन्होंने कड़ी आपत्ति जताई। जोशी ने कहा कि यह गलत हो रहा है और ऐसे प्रयासों को रोका जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिस मामले पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर लग चुकी हो और देश के कानून ने न्याय कर दिया हो, उस पर इस तरह का कार्य समाज को भड़काने और ध्रुवीकरण का

प्रयास है। उन्होंने इसे अनुचित बताते हुए कहा कि संबंधित राज्य सरकार को इसे तत्काल रोकना चाहिए। यदि सरकार ऐसा नहीं करती है, तो इसे अदालत के माध्यम से रुकवाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से गलत हो रहा है। मतदाता सूचियों में सुधार पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि मृत व्यक्तियों के नाम सूची में न रहें। उन्होंने फर्जी नामों को हटाने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। नशा मुक्त भारत अभियान पर, रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्र सरकार ने 2026 तक भारत को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। इस दिशा में तेजी से कार्रवाई की जा रही है और बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ पकड़े जा रहे हैं। सरकार ने इसे रोकने के लिए एक टास्क फोर्स का भी गठन किया है। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार में शामिल दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, क्योंकि वे आने वाली पीढ़ियों को बर्बाद कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि योगी सरकार और मोदी सरकार इस पर सख्त कार्रवाई कर रही हैं। नए प्रदेश अध्यक्ष के सवाल पर जोशी ने स्पष्ट किया कि भाजपा जाति के आधार पर नहीं चलती, बल्कि यह देखती है कि कौन उपयोगी है और किसने निष्ठा से काम किया है। उन्होंने कहा कि अब तक जितने भी अध्यक्ष बने हैं, वे सभी अच्छे रहे हैं और जो भी नया अध्यक्ष बनेगा, वह भी अच्छा होगा। भाजपा नेताओं के नाम सामने आने पर कार्रवाई के संबंध में उन्होंने आश्वासन दिया कि जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ मोदी जी, अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी की सरकार द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भेड़िए ने दो बच्चियों पर किया हमला, घायल

बहराइच। जिले में भेड़िए के हमले में चार और पांच वर्षीय दो बच्चियां गंभीर रूप से घायल हो गयीं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। ग्रामीणों के अनुसार, कैसरगंज तहसील के मल्लहनपुरवा गांव में शुक्रवार तड़के घर के अंदर सो रही 5 वर्षीय अनुष्का के घर में घुसा भेड़िया उठाकर ले जाने लगा। उन्होंने बताया कि चीख-पुकार सुनकर परिजन व ग्रामीण घर की तरफ दौड़े, इतने में शोर-गुल सुनकर भेड़िया बच्ची को छोड़कर भाग गया। ग्रामीणों ने बताया कि अनुष्का को खरोंच लगी है। ग्रामीणों के मुताबिक, शुक्रवार को ही बाबुरी टोला गांव में घर के बाहर खेल रही चार वर्षीय नैनसी पर भेड़िये ने अचानक हमला कर दिया और उसे घसीटकर ले जाने लगा। ग्रामीणों के शोर मचाने पर भेड़िया बच्ची को छोड़कर गन्ने के खेतों की ओर भाग गया। प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह यादव ने शनिवार को बताया कि दोनों हमलों में भेड़िए शामिल थे। उन्होंने बताया कि यह पूरा क्षेत्र पहले से ही भेड़ियों से प्रभावित है और ग्रामीण भी कई बार इन्हें देख चुके हैं।

एक हजार मुकदमों में फर्जी जमानत लेने वाला मास्टरमाइंड गिरफ्तार

बांदा। उत्तर प्रदेश शासन के अभियान ऑपरेशन शिकंजा के क्रम में तिंदवारी पुलिस ने फर्जी जमानतदारों पर निर्णायक कार्रवाई करते हुए एक बड़े गिरोह के मुख्य सरगना को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपित अब तक एक हजार से अधिक मुकदमों में फर्जी कागजात के आधार पर जमानत लेने की बात स्वीकार कर चुका है।

तिंदवारी थाना पुलिस द्वारा पिछले दिनों दर्ज तीन मामलों में फर्जी आधार कार्ड, खसरा-खतौनी और फर्जी फोटो लगाकर विभिन्न गंभीर मामलों, विशेषकर एनडीपीएस एक्ट के आरोपियों की जमानत कराई जाने की शिकायतें मिली थीं। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, अभिलेखीय सत्यापन, अभिसूचना संकलन और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों की तलाश तेज की। इसी क्रम में पुलिस टीम ने मुख्य अभियुक्त शिवस्वरुप उर्फ मास्टर, पुत्र शिवलाल, निवासी ग्राम भिंडौरा, थाना तिंदवारी, को इंद्रा नगर, कोतवाली नगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया। कड़ाई से पूछताछ में आरोपित ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वह और उसके साथी पिछले कई वर्षों से फर्जी खसरा-खतौनी, आधार कार्ड और अन्य कूटरचित दस्तावेजों का प्रयोग कर जनपद बांदा ही नहीं, बल्कि अन्य जिलों में भी जमानत दिलाने का काम कर रहे थे। उसने स्वयं स्वीकार किया कि अब तक लगभग एक हजार से अधिक मामलों में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमानत ली जा चुकी है। पुलिस ने आरोपित को न्यायालय में पेश कर दिया है तथा उसके साथ जुड़े अन्य वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। यह जानकारी तिंदवारी थानाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह ने शनिवार को दी।

आतंक का सबब बना गुलदार हुआ पिंजरे में क़ैद

बिजनौर। नूरपुर थाना क्षेत्र के गांव बाखराबाद उर्फ खटाई तथा मिठाई गांव के बीच जंगल में स्थित मंदिर के पास वन विभाग द्वारा लगाये गये पिंजरे में गुलदार कैद हो गया। चांदपुर के वन रेंजर दुष्यंत सिंह ने गुलदार के पकड़े जाने की पुष्टि करते हुए बताया कि ग्रामीणों की शिकायत के बाद 1 दिसम्बर को पिंजरा लगाया गया था। शुक्रवार की रात गुलदार पिंजरे में फंस गया, जिसके बाद वन विभाग की टीम उसे अपने साथ ले गई। इस क्षेत्र में गुलदार का आतंक काफी लम्बे समय से बना हुआ था। पकड़े गए गुलदार की आयु लगभग 6 वर्ष बताई जा रही है। गुलदार को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

नामकरण की खुशी हर्ष फायरिंग से मातम में बदली, युवक की गोली लगने से मौत

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले के थाना कमालगंज क्षेत्र के गांव उमराय नगला में शुक्रवार देर रात एक नामकरण संस्कार का कार्यक्रम अचानक दर्दनाक हादसे का गवाह बन गया। कार्यक्रम में हर्ष फायरिंग के दौरान एक 20 साल के युवक की गोली लगने से मौत हो गई।

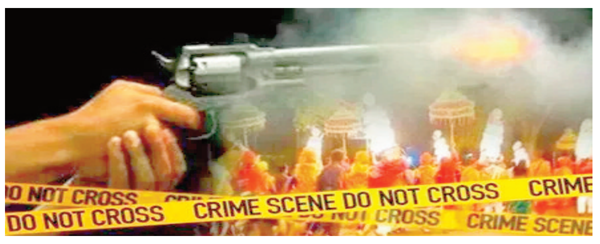

गांव निवासी विजय यादव के नवजात पुत्र के नामकरण की दावत में सैकड़ों लोग जमा थे। घर के बाहर जोर-शोर से डीजे बज रहा था और लोग नाच-गाना कर रहे थे। इसी दौरान गांव के ही प्रधान अपनी लाइसेंसी डबल बैरल बंदूक लेकर कार्यक्रम में पहुंचे। रात करीब 11 बजे गांव का ही विकास यादव ने खुशी में हवा में हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। पहली गोली चलते ही अचानक दूसरी गोली नीचे की ओर निकली और पास में डांस कर रहे 20 वर्षीय अंशु यादव पुत्र चंद्रपाल यादव को सीने में जा लगी। गोली लगते ही अंशु जमीन पर गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। गोली की आवाज और खून से लथपथ अंशु को देखते ही डीजे पर नाच रहे लोग चीखते-चिल्लाते इधर-उधर भागने लगे। पूरी दावत में अफरा-तफरी मच गई।

महिलाएं और बच्चे रोते-बिलखते घरों की ओर दौड़े। कुछ लोग अंशु को उठाकर नजदीकी अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही थाना कमालगंज प्रभारी राजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और पूरी स्थिति का जायजा लिया। एएसपी ने बताया, ''नामकरण समारोह में गांव के विकास यादव ने लाइसेंसी बंदूक से हर्ष फायरिंग की।

इसमें अंशु यादव को गोली लगी और उसकी मौत हो गई। आरोपी विकास यादव को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उसकी लाइसेंसी बंदूक जब्त कर ली गई है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हत्या का मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।''

नदेशर टकसाल शूटआउट मामले में ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील खारिज

प्रयागराज। जौनपुर के पूर्व सांसद और बाहुबली धनंजय सिंह को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। उन्होंने अपने एक 23 साल पुराने मामले में ट्रायल कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद धनंजय सिंह की क्रिमिनल अपील को खारिज कर दिया। यह आदेश जस्टिस लक्ष्मी कांत शुक्ला की सिंगल बेंच ने दिया है। मामला वाराणसी के 2002 में हुए जानलेवा हमले के बाद दर्ज हुए गैंगस्टर एक्ट से जुड़ा हुआ है। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद माना कि गैंगस्टर एक्ट जैसे मामलों में 'पीड़ति' के रूप में व्यक्तिगत शिकायतकर्ता की अपील पोषणीय नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने धनंजय सिंह की क्रिमिनल अपील को खारिज कर दिया।

कोर्ट ने 'ओपन शूटआउट' पर सख्त टिप्पणी में कहा कि गैंगस्टर एक्ट के तहत अपराध केवल राज्य और समाज के खिलाफ होता है। व्यक्तिगत नहीं माना जाता। वाराणसी के पहले 'ओपन शूटआउट' के रूप में चर्चित नदेसर टकसाल शूटआउट से जुड़े इस मामले में कोर्ट ने सख्त

टिप्पणी करते हुए कहा कि असामाजिक गतिविधियों को रोकना राज्य का दायित्व है। कोई भी व्यक्ति राज्य के कार्य को हड़पने का हकदार नहीं है। ट्रायल कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट मामले में बरी आरोपियों को बरी कर दिया था।

इस पूरे मामले की सुनवाई के दौरान 29 अगस्त 2025 को ट्रायल कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट मामले में आरोपी सदीप सिंह, संजय सिंह, विनोद सिंह और सतेंद्र सिंह उर्फ बबलू को बरी कर दिया था। ट्रायल कोर्ट का यह फैसला धनंजय सिंह को रास नहीं आया। इसके बाद धनंजय सिंह ने इस फैसले को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। कोर्ट में धनंजय सिंह के वकीलों ने कहा कि धनंजय सिंह भी इस सम्बंधित मामले में पीड़ति हैं, क्योंकि उनके ऊपर हमला हुआ था। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद माना कि गैंगस्टर एक्ट जैसे मामलों में 'पीड़ित' के रूप में व्यक्तिगत शिकायतकर्ता की अपील पोषणीय नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने धनंजय सिंह की क्रिमिनल अपील को खारिज कर दिया।

दरअसल, अक्टूबर 2002 में करीब 23 साल पहले वाराणसी के कैंट थाना क्षेत्र के नदेसर स्थित टकसाल सिनेमा हॉल के पास तत्कालीन विधायक धनंजय सिंह की गाड़ी पर जान से मारने की नीयत से अंधाधुंध फायरिंग की गई थी। जिसमें एके-47 जैसे ऑटोमेटिक हथियारों के इस्तेमाल की बात सामने आई थी। यह वाराणसी का पहला 'ओपन शूटआउट' था। हमले में धनंजय सिंह बाल-बाल बच गए थे। इस मामले में धनंजय सिंह ने विधायक अभय सिंह, एमएलसी विनीत सिंह समेत कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद सभी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में भी एफआइआर दर्ज हुई थी।

CRPF शहीद की बेटी की शादी में जवानों ने निभाई पिता की जिम्मेदारी

अमेठी। अमेठी जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के जोगापुर मजरे अम्मरपुर गांव में आयोजित विवाह समारोह भावुकता और सम्मान की विशेष मिसाल बन गया। सीआरपीएफ के जवान और अधिकारियों ने शहीद केदारनाथ मिश्र की पुत्री सुषमा के विवाह में न केवल शामिल हुए बल्कि पिता का दायित्व निभाते हुए दुल्हन को चुनरी ओढ़ाकर 'साया' की रस्म पूरी कराई। अम्मरपुर गांव के निवासी स्वर्गीय केदारनाथ मिश्र (एफ.एन. 850809737, एचसी/जीडी) 17 अगस्त 2006 को जम्मू-कश्मीर के लाल चौक के पास आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए थे। उनके परिवार में पत्नी उषा मिश्र, दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं।

बड़ी बेटी पुष्पा की शादी पहले ही हो चुकी है, जबकि दूसरी पुत्री सुषमा का विवाह 4 दिसम्बर को हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। छोटे पुत्र शशिकांत अभी अविवाहित हैं। शहीद केदारनाथ मिश्र की छोटी पुत्री का विवाह बृहस्पतिवार को हुआ। शुक्रवार को बारात विदा हुई और शनिवार को दुल्हन की विदाई हुई । इस वैवाहिक समारोह में सीआरपीएफ के जवान बड़ी संख्या में पहुंचे और शहीद साथी के परिवार के प्रति अपना कर्तव्य निभाया। जवानों ने दुल्हन की रस्मों में भाग लेते हुए उसे आशीर्वाद दिया और संगठन की ओर से उपहार भी भेंट किए। उनकी उपस्थिति से पूरा माहौल भावुक हो उठा। सीआरपीएफ अधिकारियों ने कहा कि शहीद परिवारों का सम्मान करना और उनकी मदद करना बल की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

शहीद की बेटी, हमारी बेटी कहते हुए उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि सीआरपीएफ हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। दुल्हन के चाचा रामकिशन मिश्र और भाई कृष्णकांत मिश्र ने शनिवार को सीआरपीएफ के सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि जवानों की मौजूदगी ने परिवार को हौसला दिया है और पिता की कमी कुछ हद तक पूरी कर दी। समारोह में जवानों ने शहीद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और नवदम्पत्ति के सुखद दाम्पत्य जीवन की कामना की।

जूनियर पुरूष हॉकी विश्व कप : सात बार की चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ भारत को गलतियों से बचना होगा

चेन्नई। बेल्जियम को शूटआउट में हराकर जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय टीम को मौजूदा और सात बार की चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में पिछली गलतियों से सबक लेकर उतरना होगा। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल में 45 मिनट तक एक गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने तीन मिनट में दो गोल करके बढत बना ली थी लेकिन 59वें मिनट में बेल्जियम ने गोल करके मैच को शूटआउट में खींच दिया जिसमे गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह के उम्दा प्रदर्शन से मेजबान टीम ने 4-3 से जीत दर्ज की।

पिछली उपविजेता फ्रांस को शूटआउट में हराकर अंतिम चार में पहुंची जर्मनी के खिलाफ इस तरह की कोई भी चूक भारी पड़ सकती है और मुख्य कोच पी आर श्रीजेश ने भी स्वीकार किया कि प्रदर्शन में सुधार करना होगा। श्रीजेश ने मैच के बाद कहा ,'' नॉकआउट मैचों में इस तरह की गलतियां नहीं कर सकते। सबसे पहले तो गोल करने के मौके बर्बाद करने से बचना होगा और आखिरी क्षणों में गोल गंवाने की गलती से पार पाना होगा। हम खिताब से दो जीत दूर हैं और खिलाड़ियों को बखूबी पता है कि यह खिताब जीतना उनके लिये कितना जरूरी है।'' पिछली बार 2023 में कुआलालम्पुर में हुए जूनियर विश्व कप में जर्मनी के खिलाफ ही सेमीफाइनल में भारत को 1-4 से पराजय झेलनी पड़ी थी जब वह दर्जन भर पेनल्टी कॉर्नर में से एक पर भी गोल नहीं हो सका था।

दूसरी ओर जर्मनी ने दोनों पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये थे। कांस्य पदक के मुकाबले में स्पेन से 1-3 से हारकर भारत चौथे स्थान पर रहा था। इस बार राउंड रॉबिन चरण में चिली, ओमान और स्विटजरलैंड के खिलाफ भारत ने एक भी गोल नहीं गंवाते हुए सबसे ज्यादा 29 गोल दागे थे।

क्वार्टर फाइनल से पहले तक गोलकीपर और डिफेंस को कोई चुनौती नहीं मिली थी और बेल्जियम के खिलाफ 13वें मिनट में भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट का पहला गोल गंवाया। गोलकीपर प्रिंस दीप ने अपने गुरू श्रीजेश की झलक दिखाते हुए शूटआउट में बेहतरीन गोल बचाये जबकि शारदानंद तिवारी ने तीन गोल किये। भारत ने हालांकि निर्धारित समय के भीतर ही गोल करने के कई मौके गंवाये जिस पर आत्ममंथन करना होगा। फॉरवर्ड पंक्ति ने विरोधी गोल के भीतर कई बार हमले बोले लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके अलावा पासिंग और गेंद पर नियंत्रण में भी बेल्जियम हावी रहा था।

जर्मन टीम के अभेद्य डिफेंस के सामने भारतीयों को अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा वरना 2001 और 2016 के बाद तीसरा जूनियर विश्व कप जीतने का सपना धरा रह जायेगा। दूसरी ओर जर्मनी को फ्रांस से क्वार्टर फाइनल में कड़ी चुनौती मिली लेकिन धीमी शुरूआत के बाद उसने लय पकड़ी और दूसरे हाफ में अपना चिर परिचित खेल दिखाकर मैच को शूटआउट तक ले गए। जर्मन कप्तान बेन हासबाश ने बाद में कहा ,'' यह बेहतरीन टीम प्रयास था। पहला हाफ कठिन था लेकिन दूसरे हाफ में हमने शानदार खेल दिखाया। पूरे साल में हम आखिरी दो क्वार्टर में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाते आये हैं और हमने वही किया।'' भारतीय कप्तान रोहित और उनकी टीम को जर्मनी की इस ताकत का बखूबी अनुमान होगा और आखिरी पलों में गोल गंवाने से बचने के लिये डिफेंस को खासा चौकस रहना होगा। दूसरे सेमीफाइनल में स्पेन का सामना अर्जेंटीना से होगा। फाइनल 10 दिसंबर को खेला जायेगा।

16 नंबर जर्सी में प्रिंसदीप ने दिलाई श्रीजेश की याद

चेन्नई। सोलह नंबर की जर्सी पहने युवा गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने बेल्जियम के खिलाफ शूटआउट में अहम गोल बचाया तो हॉकी प्रेमियों को पेरिस ओलंपिक 2024 में स्पेन के खिलाफ कांस्य पदक के मुकाबले में आखिरी दो मिनट में दो गोल बचाकर भारत को लगातार दूसरा ओलंपिक पदक दिलाने वाले पी आर श्रीजेश की यादें ताजा हो गई। श्रीजेश अब इसी जूनियर हॉकी टीम के कोच है जिसने बेल्जियम को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई जहां उसका सामना रविवार को सात बार की चैम्पियन जर्मनी से होगा। हॉकी इंडिया ने श्रीजेश के सम्मान में उनकी सोलह नंबर की जर्सी को पिछले साल हॉकी से उनके संन्यास के बाद रिटायर कर दिया था लेकिन जूनियर स्तर पर प्रिंसदीप ने यह जर्सी पहनी। क्वार्टर फाइनल में 'प्लेयर आफ द मैच' रहे पंजाब के इस 21 साल के गोलकीपर ने भाषा से कहा ,'' श्रीजेश सर से ही सब कुछ सीखा है जो बहुत सारी बारीकियां बताते हैं। इससे हमारी गलतियां पता चलती है। उन्होंने खचाखच भरे स्टेडियमों में खेलते हुए भारत को कई बार अहम मुकाबलों में जीत दिलाई है तो वह बताते हैं कि दबाव का सामना कैसे करना है।'' तोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद कांस्य पदक जीतने के बाद गोलपोस्ट पर चढकर बैठना हो या पेरिस में कांस्य जीतने के बाद मैदान पर अपने गोलकीपिंग उपकरणों के सामने नतमस्तक होना, मैदान पर श्रीजेश हमेशा ऊर्जावान रहे और खिलाड़ियों से संवाद बनाये रखते थे। यह पूछने पर कि क्या वह भी ऐसा करते हैं, प्रिंसदीप ने कहा ,''गोलकीपर मैदान पर अक्सर अकेले रहता है लेकिन वह (श्रीजेश) हमेशा साथी खिलाड़ियों से बात करते रहते थे और उनका हौसला बढाते थे। मैं भी यही करने की कोशिश करता हूं। मैं जब चुप रहता हूं तो वह बोलते हैं कि बात करते रहा करो ताकि खेल में बने रहो।'' शूटआउट से पहले कितने नर्वस थे, यह पूछने पर उन्होंने कहा ,''दिमाग में यही चल रहा था कि टीम के लिये गोल बचाना है। दबाव तो होता ही है कि इतने सारे दर्शकों के सामने खेल रहे हैं लेकिन पूरी टीम ने अच्छा प्रदर्शन करके एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की।

शुभमन गिल को पहले टी20 मैच में खेलने के लिए हरी झंडी

कटक। भारत की टी20 टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की खेल विज्ञान टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। तब उनकी गर्दन में अकड़न आ गई थी लेकिन अब उन्होंने सफलतापूर्वक रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है।

गिल को फिटनेस के आधार पर टीम में चुना गया था और उन्हें खेल में वापसी के लिए रिहैबिलिटेशन से जुड़े सारे प्रोटोकॉल से गुजरना पड़ा। सीओई की ओर से टीम प्रबंधन की खेल विज्ञान एवं चिकित्सा टीम को भेजे गए पत्र में कहा गया है, ''शुभमन गिल ने सीओई में रिहैबिलिटेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। उन्होंने खेल के सभी प्रारूपों के लिए फिट घोषित होने के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा कर लिया है।'' इस टीम में फिजियो कमलेश जैन, स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच एड्रियन ली रॉ और खेल चिकित्सक डॉ. चार्ल्स शामिल हैं। गिल कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन चोटिल हो गए थे और उन्हें दो दिन के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था तथा इंजेक्शन भी लगाना पड़ा था।

वह मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे, टी20 श्रृंखला के लिए उनकी उपलब्धता को लेकर सभी संदेह दूर हो गए हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में खेलने वाले अधिकतर खिलाड़ी रविवार से यहां अभ्यास शुरू करेंगे।

PWL 15 जनवरी से, 300 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया

नई दिल्ली। प्रो कुश्ती लीग (पीडब्ल्यूएल) अगले साल 15 जनवरी से शुरू होगी और एक फरवरी तक चलेगी। सभी मैच नोएडा इंडोर स्टेडियम में होंगे। डब्ल्यूएफआई ने शनिवार को यह घोषणा की। आयोजकों ने पहले घोषणा की थी कि लीग के लिए दिल्ली एकमात्र स्थल होगा। WFI के अध्यक्ष संजय सिंह के अनुसार 20 से अधिक देशों के 300 से अधिक पहलवानों ने पंजीकरण कराया है। इन में ओलंपिक पदक विजेता, विश्व चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट और भारत के शीर्ष पहलवान शामिल हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली छह टीमों में चार महिला पहलवानों सहित नौ पहलवान शामिल होंगे। सभी टीमों में पांच भारतीय और चार विदेशी पहलवान हो सकते हैं।

रोनाल्डो, टोटी और स्टोइचकोव करेंगे फीफा विश्व कप 2026 के अपडेटेड शेड्यूल का अनावरण

नई दिल्ली। फीफा – फुटबॉल की वैश्विक शासी संस्था – शनिवार को फीफा विश्व कप 2026 का अपडेटेड शेड्यूल जारी करेगी, जिसमें ब्राजील के महान फुटबॉलर रोनाल्डो विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। रोनाल्डो, जिन्होंने 1994 और 2002 में विश्व कप जीता था, के साथ इटली और रोमा के दिग्गज फ्रांसेस्को टोटी और 1994 बैलन डी'ओर विजेता ह्रिस्टो स्टोइचकोव भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। यह अपडेटेड शेड्यूल हाल ही में वॉशिंगटन डीसी में हुए समूह चरण ड्रॉ के बाद जारी किया जा रहा है। अभी छह टीमें क्वालीफाई नहीं कर पाई हैं, जिन्हें फिलहाल प्लेसहोल्डर के रूप में शामिल किया गया है। कार्यक्रम में फीफा अध्यक्ष जियानी इनफेंटिनो के साथ पूर्व अमेरिकी डिफेंडर और नेशनल सॉकर हॉल ऑफ फेमर एलेक्सी लालास भी शामिल होंगे। अंतिम मैच शेड्यूल मार्च में जारी किया जाएगा, जब फीफा और यूरोपियन प्ले-ऑफ टूर्नामेंट पूरे हो जाएंगे और अंतिम छह स्लॉट भर दिए जाएंगे।

फीफा विश्व कप 2026, 11 जून से 19 जुलाई के बीच कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका के 16 शहरों में खेला जाएगा। इनमें शामिल हैं

अमेरिका: अटलांटा, बोस्टन, डलास, ह्यूस्टन, कान्सास सिटी, लॉस एंजिलिस, मियामी, न्यूयॉर्क, फिलाडेल्फिया, सैन फ्रांसिस्को और सिएटल

मैक्सिको: ग्वाडलाहारा, मेक्सिको सिटी, मॉन्टेरी

कनाडा: टोरंटो, वैंकूवर

फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को न्यूयॉर्क–न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा।

निशानेबाजी विश्व कप फाइनल में सुरुचि ने स्वर्ण और संयम ने रजत पदक जीता

दोहा। प्रतिभाशाली निशानेबाज सुरुचि सिंह ने एक और शानदार प्रदर्शन हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि उनकी साथी संयम ने रजत पदक हासिल किया जिससे भारत ने सत्र के आखिर में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के पहले दिन शानदार शुरुआत की। पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में विश्व चैंपियन सम्राट राणा को शीर्ष स्थान हासिल करने के बहुत करीब पहुंचकर कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा जबकि उनके साथी वरुण तोमर शानदार शुरुआत के बाद चौथे स्थान पर रहे।

दिन में पहले 10 मीटर राइफल निशानेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सुरुचि ने फाइनल में 245.1 का शानदार स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए दिन चमका दिया। वहीं पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन संयम ने 243.3 के स्कोर के साथ देश के लिए रजत पदक पक्का किया। दो बार की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मनु भाकर फाइनल में पहुंची लेकिन 179.2 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। इस साल की शुरुआत में लगातार चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतने के बाद सुरुचि सितंबर-अक्टूबर में विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर थीं। वह शानदार फॉर्म में थीं और उन्होंने 586 के कुल स्कोर के साथ 12 निशानेबाजों के एलीट ग्रुप में क्वालिफिकेशन दौर में दूसरा स्थान हासिल किया। भाकर (578) छठे स्थान पर रहीं जबकि 2023 की जूनियर विश्व चैंपियन संयम (573) क्वालिफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के बाद मुश्किल से फाइनल में पहुंच पाईं। हालांकि फाइनल में 21 साल की संयम बिल्कुल अलग रंग में दिखीं।

वह फाइनल के बड़े हिस्से में सबसे आगे रहीं लेकिन एलिमिनेशन दौर में चार बार 9.5 का स्कोर से शीर्ष स्थान सुरुचि को गंवा बैठीं। झज्जर (मनु भाकर भी इसी जिले की हैं) के एक हवलदार की बेटी सुरुचि को स्वर्ण पदक के लिए 5,000 यूरो मिले जबकि संयम को 4,000 यूरो का चेक मिला। 2022 के विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष ने इस सत्र में ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था। वह 631.9 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन दौर में चौथे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे। बबूता ने 633.3 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहकर आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में रुद्रांक्ष ने 209.9 का स्कोर बनाया। स्वीडन के पूर्व विश्व चैंपियन विक्टर लिंडग्रेन ने 253.0 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक और 5,000 यूरो की पुरस्कार राशि जीती। पेरिस ओलंपिक में दो स्वर्ण पदक के विजेता चीन के शेंग लिहाओ ने 252.6 के स्कोर से रजत पदक और 4,000 यूरो की राशि जीती। एक और दिग्गज हंगरी के इस्तवान पेनी ने कांस्य पदक जीता।

काहिरा में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली इलावेनिल आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। वह क्वालिफिकेशन में 630 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहीं। ट्रैप में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जोरावर संधू 12 निशानेबाजों में नौवें स्थान पर रहे। यह अनुभवी निशानेबाज शॉटगन प्रतियोगिता में भारत से एकमात्र निशानेबाज हैं।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

संदीप प्रधान ने सेबी के पूर्णकालिक सदस्य का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को घोषणा की कि संदीप प्रधान ने उसके पूर्णकालिक सदस्य के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। नियामक ने एक बयान में कहा कि चार दिसंबर को कार्यभार संभालने वाले प्रधान, बाजार मध्यस्थों, वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) से संबंधित विभागों, सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग, निवेशक सहायता और शिक्षा कार्यालय, साथ ही राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान के विनियमन और पर्यवेक्षण की देखरेख करेंगे। सेबी में शामिल होने से पहले वह पुणे में आयकर महानिदेशक (जांच) थे। अपने साढ़े तीन दशक से भी अधिक के करियर में प्रधान ने आयकर विभाग में विभिन्न पदों पर कार्य किया।

मल्टीप्लेक्स निकाय ने नेटफ्लिक्स के प्रस्तावित वार्नर ब्रदर्स अधिग्रहण पर चिंता जताई

नई दिल्ली। मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमएआई) ने शनिवार को नेटफ्लिक्स द्वारा वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के प्रस्तावित अधिग्रहण पर अपनी चिंता जताई और कहा कि यह भारत के सिनेमाघरों और व्यापक फिल्म उद्योग के लिए सीधी प्रतिस्पर्धा और आर्थिक खतरा पैदा करता है। एमएआई ने कहा कि दुनिया के प्रमुख स्टूडियो में से एक वार्नर ब्रदर्स को ऐसे स्ट्रीमिंग मंच द्वारा खरीदे जाने से, जो पहले से ही सिनेमाघरों में फिल्में रिलीज करने को महत्व नहीं देता, भारत के फिल्म उद्योग और उसकी अर्थव्यवस्था को सीधा खतरा पैदा हो सकता है। नेटफ्लिक्स ने शुक्रवार को कहा कि उसने वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के स्टूडियो और स्ट्रीमिंग व्यवसाय को 72 अरब डॉलर में खरीदने का समझौता किया है। यह नकद और शेयरों वाला सौदा वार्नर ब्रदर्स के टीवी और फिल्म खंड को भी शामिल करता है। वार्नर के पास एचबीओ मैक्स स्ट्रीमिंग सेवा और डीसी स्टूडियो भी हैं। यह सौदा 2026 की तीसरी तिमाही में पूरा होने की उम्मीद है। एमएआई के अध्यक्ष कमल गिआंचंदानी ने कहा कि भारतीय सिनेमाघर बाजार विविधता, बड़े पैमाने और सांस्कृतिक विविधता पर आधारित है और इसी पर वह फल-फूल रहा है। उन्होंने कहा, ''नेटफ्लिक्स ने अपने सिनेमाघरों में सीमित और सख्त रिलीज नीति के माध्यम से स्पष्ट कर दिया है कि वह 'सिनेमा-फर्स्ट' मॉडल में विश्वास नहीं रखता। यदि यह अधिग्रहण सफल होता है, तो दो प्रमुख खतरे उभरकर सामने आएंगे पहला, सिनेमाघरों में उच्च गुणवत्ता वाली फिल्मों की कमी हो जाएगी, और दूसरा, फिल्मों को सिनेमाघरों में दिखाने की अवधि में भारी कटौती हो सकती है या वह पूरी तरह समाप्त भी हो सकती है।'

चक्रीय अर्थव्यवस्था से डेयरी किसानों की आय पांच साल में 20 फीसदी बढ़ जाएगी: अमित शाह

सणादर (गुजरात)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को विश्वास जताया कि देश भर में चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल के कार्यान्वयन से अगले पांच वर्षों में डेयरी किसानों की आय में 20 प्रतिशत वृद्धि होगी। शाह ने यह बात गुजरात के वाव-थराद जिले के सणादर गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में कही, जो डेयरी के जैव-सीएनजी और उर्वरक संयंत्र के उद्घाटन और दूध पाउडर संयंत्र के शिलान्यास के अवसर पर आयोजित किया गया था।

उन्होंने इस अवसर पर बनास डेयरी से जुड़े पशुपालकों को संबोधित किया। उन्होंने डेयरी क्षेत्र में चक्रीय अर्थव्यवस्था के सफल मॉडल को विकसित करने के लिए बनास डेयरी के प्रबंधन की सराहना की। इस मॉडल में किसानों के लिए अतिरिक्त आय उत्पन्न करने के कई उपाय शामिल हैं, जैसे कि मवेशियों के गोबर को बायोगैस और जैव-उर्वरक में परिवर्तित करना। चक्रीय अर्थव्यवस्था में चीजों को इस्तेमाल करके फेंकने की बजाय उनकी मरम्मत, पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग पर जोर दिया जाता है, जिससे कचरा और प्रदूषण कम होता है और संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जा सकता है। शाह ने बताया कि बनास डेयरी के चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल को समझने के लिए कई सांसद बनासकांठा आए हैं।

उन्होंने कहा, ''अब तक हमारी सहकारी डेयरियों को किसानों से दूध खरीदने और दूध उत्पादों को बेचने से होने वाली आय किसानों तक पहुंचाने में बड़ी सफलता मिली है। अब चक्रीय अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। इसके तहत किसानों से खरीदे गए मवेशियों के गोबर से उत्पादित बायोगैस और उर्वरक बेचकर डेयरी द्वारा उत्पन्न आय में किसानों को उनका हिस्सा मिलेगा।'' मंत्री ने कहा कि पूरे देश में इस चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल को लागू करने की ठोस योजना शाम को बनासकांठा में सांसदों की बैठक में सामने आएगी।

उन्होंने यह भी बताया कि जनवरी 2026 में सभी प्रमुख सहकारी डेयरियों के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डेयरी द्वारा की गई पहलों को समझने के लिए बनास डेयरी का दौरा करेंगे। शाह ने कहा, ''पनीर और दही जैसे सामान्य दूध उत्पादों के अलावा, ऐसे कई उत्पाद हैं जिनकी दुनिया भर में मांग है, लेकिन उनका उत्पादन भारत में नहीं होता। अगर हम इन उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करें, तो डेयरी किसान अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए तीन और डेयरी क्षेत्र के लिए तीन सहकारी समितियां बनाई हैं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि चक्रीय अर्थव्यवस्था अगले पांच वर्षों में डेयरी किसानों की आय में 20 प्रतिशत की वृद्धि करेगी।

भारत में पिछले 11 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग 6 गुना हुआ विस्तार

नई दिल्ली। संसद में हाल ही में दी गई जानकारी के अनुसार, भारत में पिछले 11 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में 6 गुना विस्तार हुआ है, जो कि 2014-15 के 1.9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2024-25 11.32 लाक करोड़ रुपए हो गई है। यह उपलब्धि देश को एक महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर के रूप में स्थापित करने को लेकर महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा में बताया कि भारत सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर पॉलिसी पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के विजन पर आधारित है। उनके द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 2020 में शुरू हुई लार्ज स्केल इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए पीएलआई स्कीम ने 14,065 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया है। मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग को लेकर उन्होंने जानकारी दी कि पिछले 11 वर्षों में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स की कुल संख्या 2 से बढ़कर 300 से अधिक हो गई है। एलएसईएम के लिए पीएलआई के शुभारंभ के बाद से मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग 2020-21 में 2.2 लाख करोड़ से बढ़कर 5.5 लाख करोड़ हो गई है। देश के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात को लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 2014-15 में 38 हजार करोड़ रुपए से आठ गुना बढ़कर 2024-25 में 3.26 लाख करोड़ रुपए हो गया है। मोबाइल निर्यात भी लगभग 22 हजार करोड़ से बढ़कर 2.2 लाख करोड़ से अधिक हो गया है। इसी के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स अब तीसरी सबसे बड़ी एक्सपोर्ट कैटेगरी है।

इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर अब लगभग 25 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करता है। केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग की सफलता के आधार पर सरकार ने 2022 में सेमीकंडक्टर के विकास के लिए कार्यक्रम शुरू किया। सरकार का ध्यान सेमीकंडक्टर के पूरे इकोसिस्टम को विकसित करने पर है। वहीं, 3 वर्ष से भी कम समय में 1.6 लाख करोड़ के निवेश के साथ दस सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी दी गई है।

ई-श्रम पोर्टल पर 31 करोड़ से अधिक असंगठित कामगार और 5 लाख से अधिक गिग वर्कर्स किए जा चुके रजिस्टर

नई दिल्ली। संसद में हाल ही में दी गई जानकारी के अनुसार, इस वर्ष नवंबर तक 31.38 करोड़ से अधिक असंगठित कामगार और 5.09 लाख से अधिक गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर किए जा चुके हैं। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने ई-श्रम (असंगठित कामगारों का नेशनल डाटाबेस) पोर्टल 26 अगस्त, 2021 को लॉन्च किया था। इस पोर्टल का उद्देश्य असंगठित, गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को सेल्फ डिक्लेरेशन बेसिस पर यूएएन देकर उन्हें रजिस्टर करना है।

केंद्रीय श्रम और रोजगार राज्यमंत्री शोभा करंदलाजे की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, सोशल सिक्योरिटी, स्वास्थ्य और कल्याण योजनाओं तक पहुंच प्रदान करने के लिए विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की 14 योजनाओं को ई-श्रम पोर्टल से जोड़ा जा चुका है। केंद्रीय राज्य मंत्री के अनुसार, भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 की बजट घोषणा में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें ई-श्रम पोर्टल के जरिए रजिस्ट्रेशन, पहचानपत्र जारी करना और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवा के लाभ देना शामिल है। इसके अलावा, केंद्र सरकार रोजगार सृजन के साथ युवाओं और महिलाओं की रोजगार-क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। देश में रोजगार सृजन की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू किया जा रहा है।

इनमें प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई), स्टैंडअप इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम तथा वूमेन इन साइंस एंड इंजीनियरिंग-किरण (वाइज-किरण) शामिल हैं। केंद्र की ओर से चार लेबर कोड को 21 नवंबर 2025 से प्रभावी कर दिया गया है। इन लेबर कोड के साथ औपचारिक रोजगार और सोशल सिक्योरिटी कवरेज को बढ़ाने के साथ देश में समग्र श्रमिक कल्याण के लिए लॉन्ग-टर्म स्ट्रैटेजी के रूप में कई प्रावधान प्रावधान किए गए हैं।

इन नए लेबर कोड्स के साथ सभी नौकरियों के लिए न्यूनतम मजदूरी भुगतान सुनिश्चित किया गया है, वेतन का समय पर भुगतान अनिवार्य किया गया है और श्रमिकों की मुफ्त सालाना स्वास्थ्य जांच अनिवार्य की गई है। साथ ही, गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स समेत अस्थाई कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा का विस्तार किया गया है। महिला कामगार/कर्मचारी के लिए नए लेबर कोड उन्हें मातृत्व लाभ पाने का हकदार बनाते हैं।

भारत में आईपीओ बाजार ने तोड़ा 18 साल का रिकॉर्ड
साल भर में 100 से अधिक IPO आए
कंपनियों ने जुटाए कुल 1.7 लाख करोड़

मुंबई। इस साल भारत के मेनबोर्ड पर प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की संख्या 2007 के बाद पहली बार 100 के पार जाने वाली है। अब तक 96 कंपनियों ने आईपीओ के माध्यम से पूंजी जुटाई है। इस सप्ताह पार्क मेडि वर्ल्ड, कोरोना रेमेडीज, नेफ्रोकेयर हेल्थ और वेकफिट इनोवेशन के आईपीओ की घोषणा के बाद कुल आईपीओ की संख्या 100 पार हो गई।

कंपनियों ने इस साल आईपीओ के जरिए 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई है। यह पिछले साल के 91 IPOs से जुटाए गए 1.59 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड को भी पार करता है। यह पहली बार है कि भारत में लगातार दूसरे साल प्राइमरी बाजार से रिकॉर्ड पूंजी जुटाई गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सेकेंडरी मार्केट में उतार-चढ़ाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद आईपीओ बाजार लचीला और मजबूत बना हुआ है। जून से हर महीने कम से कम 8 नए आईपीओ आए हैं। जुलाई और अगस्त में निफ्टी और मिडकैप/स्मॉलकैप सूचकांकों में गिरावट के बावजूद 25 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 26,579 करोड़ रुपये जुटाए।

इस साल बड़ी कंपनियों के आईपीओ में टाटा कैपिटल (15,512 करोड़), एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स (11,604 करोड़), लेंसकार्ट सॉल्यूशंस (7,278 करोड़) और ग्रो पैरेंट/बिलियन ब्रेन गैराज वेंचर्स (6,632 करोड़) शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह उछाल घरेलू संस्थागत निवेशकों के मजबूत प्रवाह और कंपनियों की उच्च आत्मविश्वास वाली मूल्यांकन क्षमता को दर्शाता है। निजी इक्विटी निवेशकों की हिस्सेदारी बेचने की आवश्यकता ने भी बाजार को गति दी।

बीओबी और बीओआई ने भी ब्याज दरें घटाई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को रेपो रेट में कटौती किए जाने के बाद दो प्रमुख सरकारी बैंक-बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने बड़ा अपनी प्रमुख रेपो बेस्ड लेंडिंग रेट में कटौती कर दी, जिससे होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन लेने वाले ग्राहकों की ईएमआई में कमी आ सकती है। बैंक ऑफ इंडिया ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (आरबीएलआर) 8.35 फीसदी से घटाकर 8.10 फीसदी कर दी है। नई दरें 6 दिसंबर से प्रभावी हो गई हैं। वहीं बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (बीआरएलएलआर) 8.15 से घटाकर 7.90 फीसदी कर दी है। यह दरें भी 6 दिसंबर से लागू हो गई हैं। इससे पहले इंडियन बैंक भी 3 दिसंबर से अपनी एमसीएलआर में 5 बेसिस प्वाइंट की कटौती कर चुका है।

रणवीर सिंह की 'धुरंधर' का बॉक्स ऑफिस पर धमाल

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर' 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। रिलीज होते ही इस एक्शन-थ्रिलर ने बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार शुरुआत की और दर्शकों को उम्मीद से कहीं बढ़कर प्रदर्शन देखने को मिला। फिल्म ने न सिर्फ रणवीर के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज की, बल्कि 2025 में पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में भी दमदार एंट्री मार ली। रिलीज से पहले ही फिल्म की अग्रिम बुकिंग ने बाजार में गर्म माहौल बना दिया था। एडवांस बुकिंग से 'धुरंधर' ने लगभग 9 करोड़ रुपये जुटा लिए थे। इसलिए माना जा रहा था कि पहले दिन यह फिल्म 15 से 20 करोड़ रुपये की रेंज में कमाई करेगी। लेकिन 'धुरंधर' ने सभी अनुमान तोड़ते हुए बॉक्स ऑफिस पर शानदार छलांग लगाई और पहले ही दिन उम्मीदों से दोगुना प्रदर्शन किया।

रणवीर का करियर-बेस्ट ओपनर

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 'धुरंधर' ने रिलीज के पहले दिन भारत में 27 करोड़ रुपये का कारोबार किया। यह अब तक रणवीर सिंह की सबसे बड़ी ओपनर फिल्म बन चुकी है, जिसने उनकी पिछली ब्लॉकबस्टर 'पद्मावत' को भी पीछे छोड़ दिया। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणवीर के साथ संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना और आर माधवन अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। फिल्म को पूरे देश में लगभग 13,000 शोज मिले और इसका बजट करीब 280 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

कार्तिक आर्यन की 'फ्रेडी' उनके करियर का सबसे साहसी फिल्म

मुंबई। तीन साल पहले रीलिज हुई अभिनेता कार्तिक आर्यन की फिल्म 'फ्रेडी' उनके करियर का सबसे साहसी और परिवर्तनकारी प्रयोग मानी जाती है। 'भूल भुलैया 3' की ब्लॉकबस्टर सफलता और 'चंदू चैंपियन' को मिली आलोचनात्मक सराहना से बहुत पहले ही, कार्तिक ने 'फ्रेडी' के माध्यम से यह साबित कर दिया था कि वह जोखिम लेने से नहीं डरते और अपने किरदारों में पूरी तरह डूब जाने की क्षमता रखते हैं। 2022 में ओटीटी पर आई इस फिल्म ने कार्तिक की वह छवि तोड़ दी, जिसमें लंबे समय तक उन्हें चॉकलेटी, रोमांटिक, और मजेदार 'बॉय-नेक्स्ट-डोर' के रूप में देखा जाता था। 'फ्रेडी' में उन्होंने डॉ. फ्रेडी जिनवाला की भूमिका निभाई एक ऐसा दंत चिकित्सक जो बाहर से शांत और साधारण दिखता है, लेकिन भीतर बेचैनी, अकेलेपन और मनोवैज्ञानिक उथल-पुथल से भरा हुआ है। यह किरदार न सिर्फ उनके अब तक के स्क्रीन पर्सोना से अलग था, बल्कि इसे निभाने के लिए उन्हें शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से बेहद कठिन तैयारी करनी पड़ी। रोल के लिए कार्तिक ने 16–18 किलो वजन बढ़ाया और बॉडी फैट लगभग 40–42 प्रतिशत तक पहुंचाया, जिसके कारण उनकी धीमी चाल, शरीर का झुकाव और सूक्ष्म एक्सप्रेशंस किरदार की मनःस्थिति को बेहद वास्तविक बनाते नजर आए। दर्शकों और समीक्षकों ने माना कि कार्तिक का यह कंट्रोल्ड और गहराई से महसूस किया गया प्रदर्शन फिल्म की आत्मा बन गया। 'फ्रेडी' की खास बात यह भी है कि इसके तुरंत बाद कार्तिक को 'चंदू चैंपियन' के लिए बिल्कुल उलटी शारीरिक यात्रा करनी पड़ी–जहां उन्हें एथलीट की तरह स्टील बॉडी बनानी थी और सैन्य अनुशासन वाली ट्रेनिंग लेनी थी। दो बिल्कुल विपरीत शारीरिक अवस्थाओं और भावनात्मक दुनियाओं के बीच यह परिवर्तन, उनकी काम के प्रति प्रतिबद्धता और अद्भुत समर्पण का सबूत है। तीन साल बाद आज 'फ्रेडी' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक निर्णायक मोड़ माना जाता है, जहाँ से कार्तिक को इंडस्ट्री में 'हिट मशीन' नहीं बल्कि 'सीरियस और एक्सपेरिमेंटल एक्टर' के रूप में पहचाना गया।

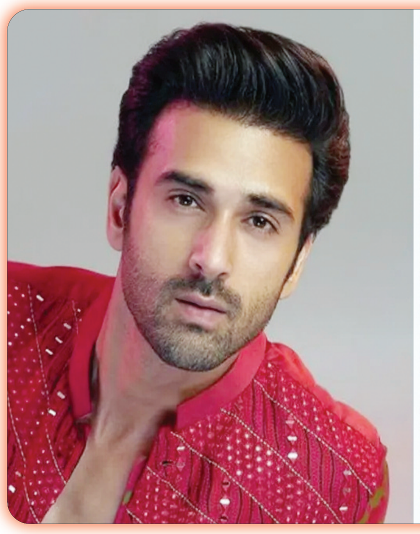

पुलकित सम्राट ने चंकी पांडे की की तारीफ़ की

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपनी आने वाली फिल्म 'राहु केतु' के को-स्टार और अभिनेता चंकी पांडे की तारीफ की है। पुलकित सम्राट ने अपने काम के प्रति चंकी पांडे के समर्पण और जुनून की बातें साझा करते हुए कहा, "पहली नज़र में चंकी सर को सेट पर आकर सीन करते देखना केकवॉक जैसा लगता है, लेकिन सच तो यह है कि वो उस सीन को परफेक्ट बनाने के लिए इतनी मेहनत करते हैं कि हमें सामने खड़े होने में शर्म आने लगती है। यकीन मानिए उनकी मेहनत देखकर हम खुद पेन-पेपर लेकर बैठ जाते हैं कि और क्या किया जा सकता है।" पुलकित ने चंकी पांडे के साथ अपनी पहली फिल्म का अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके साथ हर दिन ऐसा लगता था जैसे वे किसी स्कूल या किसी यूनिवर्सिटी में आ गए हों और बस सीखते ही जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि चंकी पांडे ने अपनी बेटी, अभिनेत्री अनन्या पांडे के करियर और परफॉर्मेंस को संवारने में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, "अनन्या आज जो भी हैं, जिस तरह परफॉर्म करती हैं, उसकी सबसे बड़ी वजह ये है कि उसके घर में ही पिता के रूप में एक मेंटर है, एक पूरी यूनिवर्सिटी मौजूद है।"

14 साल बाद भी कायम है फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' का जादू

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक सांस्कृतिक क्रांति थी। करीब 14 साल पहले मिलन लूथरिया के निर्देशन में बनी इस फ़िल्म ने उन सारी सीमाओं को तोड़ दिया था, जो दशकों से महिला-प्रधान फिल्मों के लिए तय मानी जाती थीं। 'द डर्टी पिक्चर' ने यह साबित कर दिया कि एक महिला कहानी की धुरी भी बन सकती है और बॉक्स ऑफिस पर राज भी कर सकती है। फ़िल्म ने न सिर्फ व्यापारिक सफलता हासिल की बल्कि सामाजिक मानसिकता को भी चुनौती दी। 'सिल्क' के किरदार में विद्या बालन का प्रदर्शन सिनेमा के इतिहास में एक उदाहरण बन गया। सिल्क के भीतर मौजूद इच्छा, महत्वाकांक्षा, असुरक्षा, साहस, बेबाकी और भावनात्मक उथल-पुथल को विद्या ने जिस ईमानदारी के साथ जिया, उसने दर्शकों को झकझोर दिया। यही वजह है कि राष्ट्रीय पुरस्कार सहित फिल्मफेयर और कई अन्य सम्मान अपने नाम करने वाली इस फ़िल्म ने कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा की दिशा बदल दी और यह स्थापित कर दिया कि महिला-केंद्रित कहानियाँ भी ब्लॉकबस्टर हो सकती हैं। फ़िल्म के संवाद आज भी लोकप्रिय संस्कृति का हिस्सा हैं।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

अमेरिकाः घर में आग लगने से झुलसी भारतीय छात्रा की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक घर में आग लगने से गंभीर रूप से झुलसी 24 वर्षीय एक भारतीय छात्रा की मौत हो गई। भारतीय मिशन ने यहां यह जानकारी दी। सहजा रेड्डी उदुमाला न्यूयॉर्क के अल्बानी में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रही थीं। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि उन्हें उदुमाला के 'असामयिक निधन' पर गहरा दुख है, जिन्होंने अल्बानी के एक घर में आग लगने की घटना में अपनी जान गंवा दी। वाणिज्य दूतावास ने बताया, "इस कठिन समय में हम उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं।" दूतावास ने साथ ही यह भी कहा कि वह उदुमाला के परिवार के संपर्क में हैं और हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। अल्बानी पुलिस विभाग ने एक बयान में बताया कि पुलिसकर्मियों और अल्बानी अग्निशमन विभाग ने चार दिसंबर की सुबह घर में लगी आग पर तुरंत कार्रवाई की। बयान के मुताबिक, जब अधिकारी व अग्निशमन कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि घर पूरी तरह से आग की लपटों में घिरा हुआ था और कई लोग अब भी घर के अंदर थे।

न्यूयॉर्क की महिला पर भारत से अमेरिका में लोगों की तस्करी करने का आरोप

न्यूयॉर्क। अमेरिका की 42 वर्षीय महिला के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय तस्करी साजिश में शामिल होने का आरोप तय किया गया है। महिला ने इस साजिश के तहत मुख्य रूप से भारत के लोगों को कनाडा की सीमा पार कर अमेरिका में अवैध तरीके से प्रवेश कराने में अहम भूमिका निभाई। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अल्बानी में एक संघीय ग्रैंड जूरी द्वारा अक्टूबर में तस्करी षडयंत्र में भूमिका के लिए आरोप तय किये जाने के बाद न्यूयॉर्क के प्लैट्सबर्ग की रहने वाली स्टेसी टेलर इस सप्ताह अदालत में पेश हुईं। अदालती रिकॉर्ड बताते हैं कि अमेरिका सीमा गश्ती एजेंटों ने जनवरी में क्यूबेक सीमा के निकट न्यूयॉर्क के चुरुबुस्को के पास टेलर के वाहन को रोका और वाहन में बैठे चार विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया। इन चार पुरुषों में तीन भारतीय नागरिक और एक कनाडाई नागरिक शामिल था, जिन्होंने बगैर किसी निरीक्षण के अमेरिकी-कनाडाई सीमा अवैध रूप से पार की थी। जब कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बाद में टेलर के मोबाइल फोन की जांच की तो उन्हें ऐसे संदेश मिले, जिनसे पता चला कि वह पहले भी कई अन्य तस्करी कार्यों में शामिल रही थी। उसे जनवरी 2025 में गिरफ्तार किया गया। अभियोग के अनुसार, टेलर पर अन्य लोगों के साथ मिलकर विदेशी तस्करी में शामिल होने का आरोप है और इससे पहले भी उस पर तस्करी के चार मामलों में शामिल होने का आरोप है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर फिर गोलीबारी, चार लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की चमन-स्पिन बोल्डक बॉर्डर पर शुक्रवार को एक बार फिर भारी गोलीबारी हुई। गोलीबारी रात करीब 10 बजे शुरू हुई और देर रात तक चलती रही। दोनों देश एक-दूसरे पर हमला शुरू करने का आरोप लगा रहे हैं। गोलीबारी में 4 अफगानी मारे गए और 4 घायल हो गए हैं। अफगान तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान ने सबसे पहले कंधार प्रांत के स्पिन बोल्डक इलाके में हमला किया, जिसके जवाब में उनकी सेना ने जवाबी कार्रवाई की। दूसरी तरफ पाकिस्तानी अधिकारियों का दावा है कि अफगान सेना ने बिना उकसावे के चमन बॉर्डर पर गोलीबारी शुरू की, जिसके बाद पाकिस्तानी फोर्सेस ने मुंहतोड़ जवाब दिया। प्रधानमंत्री के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने कहा, "पाकिस्तान अपनी सरहद और लोगों की हिफाजत के लिए पूरी तरह सतर्क और तैयार है।" इससे 48 घंटे पहले ही दोनों देशों के बीच शांति वार्ता हुई थी। हालांकि, यह बातचीत बेनतीजा रही। यह ताजा झड़प उस वक्त हुई है जब 2-4 दिसंबर को सऊदी अरब में दोनों देशों के बीच तीसरे शांति वार्ता बिना किसी नतीजे के खत्म हुई थी। हालांकि, दोनों पक्षों ने युद्धविराम को बनाए रखने का वादा किया था, लेकिन तनाव कम नहीं हो रहा। सऊदी अरब से दोनों प्रतिनिधिमंडल 4 दिसंबर अपने देश लौटे थे और 5 दिसंबर की रात को गोलीबारी शुरू हो गई। इससे पहले कतर और तुर्की में भी बातचीत हो चुकी है। चौथा दौर कब और कहां होगा, इसकी कोई तारीख तय नहीं है। सीमा पर तनाव कम करने और संघर्ष विराम को कायम रखने के उद्देश्य से अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच नवंबर में हुई बातचीत असफल रही थी लेकिन अक्टूबर में कतर की मध्यस्थता से किया गया संघर्ष विराम समझौता मुख्यतः कायम रहा। गोलीबारी से एक दिन पहले ही पाकिस्तान ने कहा था कि वह संयुक्त राष्ट्र को चमन और तोरखम सीमा के रास्ते अफगानिस्तान में राहत सामग्री भेजने की अनुमति देगा। ये सीमाएं बढ़ते तनाव के कारण लगभग दो महीने से बंद हैं। पाकिस्तानी स्थानीय पुलिस अधिकारी मोहम्मद सादिक ने दावा किया कि गोलीबारी अफगानिस्तान की ओर से शुरू हुई और पाकिस्तानी सैनिकों ने चमन सीमा के पास जवाबी गोलीबारी की। काबुल में, अफगान तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहउल्ला मुजाहिद ने पाकिस्तान पर गोलीबारी शुरू करने का आरोप लगाया। अफगान सीमा पुलिस के प्रवक्ता अबीदुल्ला फारूकी ने भी कहा कि पहले पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान की ओर स्पिन बोल्दक सीमा क्षेत्र में एक हथगोला फेंका, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान संघर्ष विराम को लेकर प्रतिबद्ध है।

रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए

कीव। रूस ने शनिवार रात को यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किये। जबकि इससे पहले अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा था कि वे लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के वास्ते तीसरे दिन की बातचीत के लिए शनिवार को मिलेंगे। यूक्रेन की वायु सेना ने शनिवार सुबह बताया कि रूस ने 29 स्थानों को निशाना बनाकर 653 ड्रोन और 51 मिसाइलें दागीं, जिससे पूरे देश में हवाई हमले की चेतावनी जारी की गई। उसने कहा कि उनके बलों ने 585 ड्रोन और 30 मिसाइलें मार गिराईं और निष्क्रिय कर दीं। यह हमला उस समय हुआ जब यूक्रेन अपना सशस्त्र सेना दिवस मना रहा था। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, कीव क्षेत्र में कम से कम तीन लोग घायल हो गए। यूक्रेन के पश्चिमी हिस्से, लवीव क्षेत्र में भी ड्रोन देखे जाने की सूचना है। यूक्रेन के राष्ट्रीय ऊर्जा संचालक 'उक्रेनेर्गो' ने टेलीग्राम पर लिखा कि रूस ने कई यूक्रेनी क्षेत्रों में बिजलीघरों और अन्य ऊर्जा संरचनाओं पर "मिसाइल-ड्रोन हमला" किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि ऊर्जा सुविधाओं को लक्षित कर ये हमले किए गए। उन्होंने यह भी बताया कि एक ड्रोन हमले में कीव क्षेत्र के फास्टिव शहर का रेलवे स्टेशन "जलकर खाक" हो गया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी हवाई सुरक्षा प्रणाली ने रातभर में रूसी क्षेत्र में 116 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया। रूस के टेलीग्राम समाचार चैनल 'एस्ट्रा' ने कहा कि यूक्रेन ने रूस की रयाजान तेल रिफाइनरी पर हमला किया। चैनल ने रिफाइनरी में आग लगने और धुएं का गुबार उठने का वीडियो भी साझा किया। 'एसोसिएटेड प्रेस' ने इस वीडियो की पुष्टि नहीं की। यूक्रेन ने कथित हमले पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की।

पाकिस्तान : सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में नौ आतंकियों को मार गिराया

पेशावर/लाहौर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने दो अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के नौ आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना ने शनिवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि ये अभियान शुक्रवार को प्रांत के खैबर, टांक और लक्की मरवात जिलों में चलाए गए। उसने बताया कि टांक में भीषण गोलीबारी के बाद सात आतंकवादी मारे गए जबकि लक्की मरवात में सुरक्षा बलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। इस बीच, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए 24 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से अधिकतर टीटीपी से जुड़े हैं। पंजाब प्रांत के आतंकवाद-रोधी विभाग (सीटीडी) ने एक बयान में कहा कि इस सप्ताह प्रांत के विभिन्न इलाकों में चलाए गए अभियानों के दौरान इन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया। बयान में कहा गया कि सीटीडी ने विभिन्न जिलों में 364 खुफिया अभियान चलाए, जिनमें 24 आतंकवादियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हथियार, विस्फोटक और अन्य प्रतिबंधित सामग्रियां बरामद की गईं।

बांग्लादेश में बढ़ रहा डेंगू का प्रकोप, 200 मरीज भर्ती

ढाका। बांग्लादेश में डेंगू के मरीजों की संख्या खतरनाक रूप से लगातार बढ़ रही है। हालत यह है कि पिछले चौबीस घंटे के भीतर देश के विभिन्न अस्पतालों में डेंगू से प्रभावित कुल 200 नये मरीजों को भर्ती कराया गया है। राहत की बात है कि इस दौरान किसी डेंगू प्रभावित मरीज की मौत नहीं हुई है।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के स्वास्थ्य आपातकालीन संचालन केंद्र एवं नियंत्रण कक्ष की तरफ से डेंगू प्रभावित मरीजों के बारे में जानकारी दी गई है। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक पिछले चौबीस घंटे के भीतर देश के विभिन्न अस्पतालों में डेंगू से प्रभावित कुल 200 नये मरीजों को भर्ती कराया गया है। नए भर्ती हुए मरीजों में से 14 मरीज बारीसाल संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर), 92 मरीज चटगांव संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर), 14 मरीज ढाका संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर), 72 मरीज ढाका उत्तर नगर निगम (डीएनसीसी) के अंतर्गत, 06 मरीज ढाका दक्षिण नगर निगम (डीएससीसी) के अंतर्गत और 02 मरीज खुलना संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर) के अस्पताल में भर्ती हुए। विभाग की तरफ से बताया गया है कि पिछले 24 घंटों में डेंगू से संबंधित किसी भी मौत की सूचना नहीं है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष डेंगू से मरने वालों की कुल संख्या 394 है। इस वर्ष अब तक 96,827 लोग डेंगू से संक्रमित हो चुके हैं, जिनमें से 63% पुरुष और 37% महिलाएं हैं। पिछले साल 2024 में, कुल 101,214 लोग डेंगू से संक्रमित हुए और इसने 575 लोगों की जान ले ली।